ऑपरेशन सिंदूर का सच आया सामने... पेज 5

दैनिक कारखाने का सफर

मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

सूर्य पर्वत पर त्रिभुज, नक्षत्र समेत... पेज 7

वर्ष 6, अंक 324 | भोपाल, बुधवार 6 मई, 2026 | ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, पंचमी 2083 | मूल्य 2 रुपए

भोपाल यूनिट द्वारा रू. 4647 करोड़ के टर्न ओवर और रू. 581 करोड़ के कर पूर्व लाभ प्राप्त किया

बीएचईएल कारपोरेशन को वर्ष 2025-26 में रू. 33,782 करोड़ का राजस्व और रू. 2116 करोड़ कर पूर्व लाभ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईएल, भोपाल के देवी अहिल्याबाई हॉल में मंगलवार को मीडिया कर्मियों तथा अन्य स्टेक होल्डर के साथ एक परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया । पी के उपाध्याय, कार्यपालक निदेशक, बीएचईएल, भोपाल, टी यू सिंह, महाप्रबंधक (मा.सं.), आर के अग्रवाल, महाप्रबंधक (एसओएम) एवं उपेंद्र कुमार सिंह, अपर महाप्रबंधक (प्रचार एवं जनसंपर्क) इस अवसर पर उपस्थित थे । ईडी उपाध्याय ने उपस्थित स्टेक होल्डर से चर्चा करते हुए वित्त वर्ष 2025-26 में भोपाल यूनिट की उपलब्धियों तथा अर्जित लाभ के लिए सभी को हार्दिक बधाई दी । उन्होंने निदेशक एस एम रामनाथन के प्रभावी और कुशल नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि यूनिट की इस उपलब्धि का श्रेय उन्हीं को जाता है । उन्होंने आगे कहा कि बीएचईएल, भोपाल आज जिस मुकाम पर पहुंचा है, उसमें समाज के सभी संवर्गों और विशेषकर मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है । उन्होंने सर्वप्रथम बीएचईएल कारपोरेशन द्वारा वर्ष 2025-26 में रू. 33,782 करोड़ के राजस्व और रू. 2116 करोड़ कर पूर्व लाभ को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और कहा कि बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के सदाशिव मूर्ति तथा बीएचईएल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के कुशल नेतृत्व के कारण इस कठिन प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में बीएचईएल की यह उपलब्धि निश्चित तौर पर सभी कर्मचारियों के लिए गौरव का विषय है ।

उन्होंने वित्त वर्ष 2025-26 में भोपाल यूनिट द्वारा रू. 4647 करोड़ के टर्न ओवर और रू. 581 करोड़ के कर पूर्व लाभ पर चर्चा करते हुए कहा कि भोपाल यूनिट के सभी कर्मचारी हर तरह की चुनौती का सामना करने में सक्षम हैं । उन्होंने आगे बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 के निर्धारित रू. 4716 करोड़ का लक्ष्य भी भोपाल यूनिट निश्चित रूप से प्राप्त करेगा और इसके लिए सभी कर्मचारी प्रतिबद्ध हैं । उन्होंने रि-वर्क से पूरी तरह परहेज करने और प्रति कर्मचारी मूल्यवर्धन (Value Addition) के साथ साथ अधिक से अधिक कैश कलेक्शन पर जोर दिया । उन्होंने इस अवसर पर कहा कि बीएचईएल सामाजिक दायित्वों के प्रति भी पूर्णतः समर्पित है । कार्यक्रम में टी यू सिंह, महाप्रबंधक (मा.सं.) ने बीएचईएल, भोपाल के विकास और इसकी उपलब्धियों के लिए सभी स्टेक होल्डर को धन्यवाद दिया । उन्होंने कहा कि भोपाल यूनिट कर्मचारियों के साथ-साथ सभी स्टेक होल्डर्स के हितों की रक्षा के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध है । आर के अग्रवाल, महाप्रबंधक (एसओएम) ने कार्य निष्पादन पर प्रस्तुतीकरण किया । उन्होंने वित्त वर्ष 2025-26 में बीएचईएल, भोपाल की प्रमुख उपलब्धियों के साथ साथ आगामी कार्ययोजना की भी जानकारी दी।

सीएम की रेस में कौन है सबसे आगे

बंगाल में टैगोर की जयंती पर होगा बीजेपी सीएम का शपथ ग्रहण

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में पहली बीजेपी सरकार का शपथ ग्रहण 9 मई को होगा। इस दिन रवींद्र नाथ टैगोर की जयंती है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने इसकी जानकारी दी। चुनाव के नतीजों के बाद जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी हेडक्वॉर्टर में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया, तब उन्होंने भी टैगोर के आदर्शों का जिक्र किया था।

अगले एक- दो दिन में बीजेपी विधायक दल की मीटिंग होगी, जिसमें सीएम का नाम तय किया जाएगा। बीजेपी ने इसके लिए गृह मंत्री अमित शाह को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। बंगाल में बीजेपी का पहला सीएम कौन होगा, इसे लेकर चर्चाओं और मीटिंग्स का दौर भी चल रहा है। बीजेपी के पहले सीएम के लिए सुवेंदु अधिकारी का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। वजह ये कि उन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को नंदीग्राम से हराया और इस बार फिर भवानीपुर से ममता बनर्जी को मात दी। सुवेंदु राज्य में बीजेपी का आक्रामक चेहरा हैं। टीएमसी की सरकार में मंत्री भी रहे हैं सुवेंदु चुनाव प्रचार के दौरान लगातार हिंदू वोटर्स को एकजुट करने की बात की और अब तक राज्य में नेता प्रतिपक्ष रहे। टीएमसी से बीजेपी में शामिल हुए सुवेंदु टीएमसी के काम करने के तरीके से लेकर पूरे सिस्टम को समझते हैं। ममता सरकार में मंत्री भी रहे। हालांकि बीजेपी का पुराना कैडर ना होना उनकी उम्मीद को थोड़ा कम कर सकता है। ऐसा भी नहीं है कि बीजेपी ने दूसरे पार्टी से आए नेताओं पर भरोसा नहीं किया। असम इसका एक उदाहरण है, जहां बीजेपी ने हेमंत बिस्व सरमा को सीएम बनाया, वो भी कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आए थे। वैसे असम और बंगाल की स्थिति में थोड़ा फर्क भी है, क्योंकि बंगाल में बीजेपी के पास और भी चेहरे हैं। संघ बैकग्राउंड वाले नेता बीजेपी ने पिछले कुछ महीनों में जब राज्यों में संगठन की नई टीम का चयन किया तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बैकग्राउंड वाले नेताओं को तरजीह दी गई। इस बार पश्चिम बंगाल चुनाव में भी टीएमसी से लोगों को नहीं लिया गया, जैसा पिछले चुनाव में किया था

मैं आजाद पंछी, शेर की तरह लड़ूंगी, इस्तीफा नहीं दूंगी : ममता

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- मैं CM पद से इस्तीफा नहीं दूंगी। हम जनादेश से नहीं, साजिश से हारे हैं। इसलिए इस्तीफा देने राजभवन नहीं जाऊंगी।
ममता ने आगे कहा- चुनाव आयोग असली विलेन है। उसने भाजपा के साथ मिलकर 100 सीटें लूटीं। अब मेरे पास कोई कुर्सी नहीं है, मैं आजाद पंछी हूं। कहीं से भी चुनाव लड़ सकती हूं, सड़कों पर रहूंगी।
इधर, कोलकाता के न्यूटाउन इलाके में एक भाजपा कार्यकर्ता की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि तेज आवाज में म्यूजिक बजाने पर TMC के एक कार्यकर्ता और उसके साथियों ने पीट-पीटकर भाजपा कार्यकर्ता की जान ले ली। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आ चुके हैं। बंगाल में भाजपा ने 293 में से 207 सीटें जीत ली हैं। पार्टी 9 मई को राज्य में पहली बार सरकार बनाने जा रही है। TMC सिर्फ 80 सीटें जीत सकी।

15 साल बाद ममता के हाथ से सत्ता चली गई है।
मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, मैं हारी नहीं हूं। मेरे इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। इसलिए राजभवन नहीं जाऊंगी। वे ऑफिशियली हमें हरा सकते हैं, लेकिन नैतिक रूप से हम चुनाव जीते हैं।
चुनाव से दो दिन पहले हमारे लोगों को गिरफ्तार किया गया। जगह-जगह छापे मारे गए। IPS-IAS अधिकारियों का तबादला किया गया। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री इसमें सीधे तौर पर शामिल हैं। मैंने राजीव गांधी, मनमोहन सिंह, वाजपेयी सहित कई सरकारें देखीं, लेकिन ऐसा अत्याचार कभी नहीं देखा। अत्याचार की कोई सीमा नहीं रही। यहां लोगों को प्रताड़ित किया गया। पहले राउंड की काउंटिंग के बाद ही वे कहने लगे कि भाजपा 195-200 सीटें जीत रही है। अंतिम नतीजे का इंतजार नहीं किया। BJP वालों ने पोलिंग स्टेशन के अंदर घुसकर लोगों और काउंटिंग एजेंट्स को पीटना शुरू कर दिया।
हम चुनाव आयोग के खिलाफ कदम उठाएंगे। क्या करेंगे, यह अभी नहीं बताएंगे। दूसरी बात, हमने फैसला किया है कि 5 सांसदों समेत 10 लोगों की एक फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी बनाई जाएगी।

होर्मुज स्ट्रेट में फिर भड़की आग, ट्रंप के 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' से बढ़ा युद्ध का खतरा

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान का संघर्ष अब एक बड़े क्षेत्रीय संकट का रूप ले रहा है, जिसमें दक्षिण कोरियाई जहाज पर विस्फोट और यूएई के तेल संयंत्र पर हमले जैसी घटनाएं शामिल हैं। इन घटनाओं ने न केवल युद्धविराम को कमजोर किया है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय शक्तियों को भी इस टकराव में खींच लिया है, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के बीच हालात एक बार फिर तनावपूर्ण होते नजर आ रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में युद्धविराम की स्थिति कमजोर पड़ती दिख रही है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप के नए सैन्य अभियान और ईरान की प्रतिक्रिया ने स्थिति को और मुश्किल बना दिया है।
मौजूद जानकारी के अनुसार, अमेरिका ने "प्रोजेक्ट फ्रीडम" नाम से एक अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य होर्मुज स्ट्रेट में फंसे अंतरराष्ट्रीय जहाजों के आवागमन को सुरक्षित करना है। बता दें कि यह जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति का एक अहम रास्ता है और यहां किसी भी तरह की बाधा से दुनिया भर में ऊर्जा संकट गहराता है।
गौरतलब है कि ईरान ने इस क्षेत्र पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए अमेरिकी जहाजों और सहयोगी देशों के ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि युद्धविराम अभी समाप्त नहीं हुआ है, हालांकि झड़पें जारी हैं। वहीं अमेरिकी सेना प्रमुख जनरल डैन केन के मुताबिक, युद्धविराम के बाद से ईरान ने अमेरिकी बलों पर दस से अधिक बार हमले किए हैं, लेकिन ये अभी बड़े युद्ध की सीमा से नीचे हैं।
अमेरिकी सेना का कहना है कि ईरान ने क्रूज मिसाइल, ड्रोन और छोटे नौकाओं के जरिए हमला किया, हालांकि कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। अमेरिकी पक्ष का दावा है कि उसने ईरान की कई नौकाओं को नष्ट कर दिया है, जबकि ईरान ने इन दावों को खारिज किया है। इसी बीच, एक दक्षिण कोरियाई संचालित जहाज में विस्फोट और आग लगने की घटना भी सामने आई है। ट्रंप ने इसके लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराते हुए दक्षिण कोरिया से इस अभियान में शामिल होने की अपील की है। हालांकि सियोल सरकार इस प्रस्ताव पर विचार कर रही है। बताया जा रहा है कि संयुक्त अरब अमीरात ने भी ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों और ड्रोन को रोका है, जिससे एक तेल संयंत्र में आग लग गई और तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए हैं। इस घटना की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हो रही है।

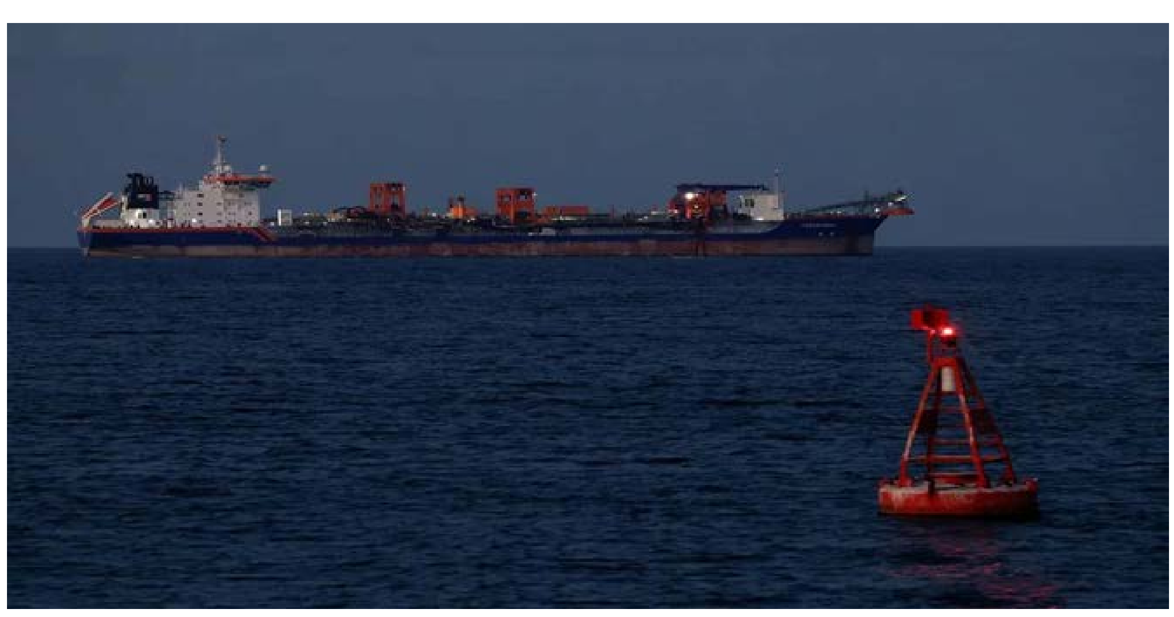

ईरान के शीर्ष नेताओं ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि यह केवल शुरुआत है और इस संकट का कोई सैन्य समाधान नहीं है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इसे "गतिरोध की स्थिति" बताया है और चेतावनी दी है कि क्षेत्र को दोबारा युद्ध में नहीं धकेला जाना चाहिए। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि शांति बनाए रखना बेहद जरूरी है ताकि बातचीत का रास्ता खुला रह सके। आर्थिक मोर्चे पर भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं और अमेरिका में ईंधन की कीमतों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि कुछ गिरावट देखी गई है, लेकिन बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। शिपींग क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि अभी हालात पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियां जोखिम को देखते हुए अपने जहाजों को रोककर रख रही हैं। उनका मानना है कि जब तक दोनों पक्षों के बीच भरोसा कायम नहीं होता, तब तक सामान्य स्थिति बहाल होना मुश्किल है।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

गतांक से आगेः लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण

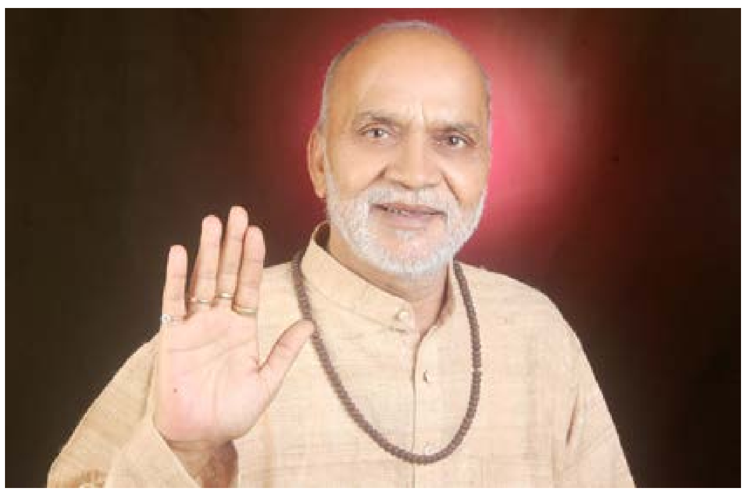

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दादाजी गुरुदेव की कृपा का दिव्य अनुभव सद्गुरु की महिमा शब्दों में सीमित नहीं की जा सकती, क्योंकि उनका स्वरूप अनुभूति का विषय है, वर्णन का नहीं। जब-जब धरती पर अधर्म, अशांति और मानसिक विचलन बढ़ता है, तब-तब संत महापुरुष दिव्य चेतना के रूप में अवतरित होकर मानव जीवन को दिशा प्रदान करते हैं। ऐसे ही युगपुरुष सद्गुरु श्री दादाजी गुरुदेव का प्राकट्य मानवता के कल्याण हेतु हुआ है। उनकी कृपा का प्रभाव सूक्ष्म होते हुए भी अत्यंत व्यापक है। जो साधक श्रद्धा और विश्वास के साथ उनके चरणों में समर्पित होता है, उसके जीवन में एक अद्भुत परिवर्तन स्वतः घटित होने लगता है। विकारों से ग्रसित मन शांत होने लगता है, भ्रमित बुद्धि को स्पष्टता प्राप्त होती है और जीवन का उद्देश्य स्वतः प्रकट होने लगता है। दादाजी गुरुदेव का मार्ग अत्यंत सरल, सहज और सर्वसुलभ है। इसमें न तो कठिन तप की आवश्यकता है और न ही जटिल अनुष्ठानों की। उनका संदेश स्पष्ट है
"भक्ति में सरलता, जीवन में शुद्धता और व्यवहार में करुणा ही सच्चा धर्म है।" उनके सान्निध्य में यह अनुभव होता है कि ईश्वर कोई दूरस्थ सत्ता नहीं, बल्कि हमारे अंतर्मन में ही विद्यमान है। जब साधक अपने अहंकार, लोभ और मोह का त्याग कर सच्चे हृदय से गुरुदेव का स्मरण करता है, तब उसके भीतर दिव्य चेतना का जागरण होता है। यही जागरण जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाता है। अनेक श्रद्धालुओं के जीवन में दादाजी गुरुदेव की कृपा से चमत्कारिक परिवर्तन देखने को मिले हैं। जहां निराशा थी, वहाँ आशा का प्रकाश प्रकट हुआ जहां भय था, वहाँ आत्मबल जागृत हुआ और जहां अशांति थी, वहाँ स्थायी शांति का अनुभव हुआ। यह सब उनके अदृश्य, किंतु प्रभावशाली आशीर्वाद का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सद्गुरु का सच्चा शिष्य वही है, जो उनके उपदेशों को केवल सुनता ही नहीं, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारता है। सेवा, सद्भाव और समर्पण के माध्यम से वह समाज में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार करता है। यही गुरुभक्ति का वास्तविक स्वरूप है।
आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने जीवन को दादाजी गुरुदेव के आदर्शों के अनुरूप ढालें। उनके बताए मार्ग पर चलकर न केवल स्वयं का कल्याण करें, बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान में भी अपना योगदान दें।
अंत में विनम्र प्रार्थना है कि सद्गुरु श्री दादाजी गुरुदेव की कृपा दृष्टि हम सभी पर निरंतर बनी रहे और हम उनके पावन चरणों में अटूट श्रद्धा एवं विश्वास के साथ अपने जीवन को सार्थक बनाएं।
भक्त -शिवरतन नामदेव

सड़क सुरक्षा समिति की मीटिंग, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल की सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मंगलवार को हुई। इसमें निर्णय लिया गया कि एक महीने में सभी ब्लैक स्पॉट के शार्ट टर्म कार्य पूरे किए जाएंगे। बैठक में कई निर्णय लिए गए। इधर, कई इलाकों में शाम को अतिक्रमण हटाने की बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई। पुलिस की मौजूदगी में निगम अमले ने सख्ती की।
कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। जिसमें सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ठोस एवं समयबद्ध प्लानिंग पर चर्चा की गई। निर्देश दिए कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चिन्हित सभी ब्लैक स्पॉट का संयुक्त टीम निरीक्षण करेगी। इसके बाद सुधार कार्य के लिए रिपोर्ट देगी। कलेक्टर मिश्रा ने शॉर्ट टर्म कार्य- जैसे रोड मार्किंग, साइनेज, स्पीड ब्रेकर, जेब्रा क्रॉसिंग पेंटिंग, स्पीड कंट्रोलर एवं दृश्यता बढ़ाने के उपाय एक माह के भीतर पूरे करने की बात कहीं। ताकि, दुर्घटनाओं में तत्काल कमी लाई जा सके।
कलेक्टर मिश्रा ने नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस एवं अन्य निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा समिति की संयुक्त टीम नियमित मैदानी निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की रिपोर्ट देगी। सभी ब्लैक स्पॉट पर शॉर्ट टर्म कार्य एक माह में अनिवार्य रूप से पूरे हों। बैठक में प्रधानमंत्री राहत राहवीर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटना के'गोल्डन ऑवर' (पहले एक घंटे) में घायलों को निशुल्क एवं त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए सभी संबंधित विभाग संवेदनशील एवं सक्रिय भूमिका निभाएं।

ढलान की दहशत में दबा सफर आम से लदा ट्रक कार पर पलटा टली बड़ी त्रासदी

एनएच-47 पर बरेठा घाट बना खतरे का गलियारा, दो युवक बाल-बाल बचे लापरवाही और अव्यवस्था पर उठे सवाल

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

भोपाल–नागपुर नेशनल हाईवे-47 पर सोमवार की शाम उस वक्त अफरा-तफरी का मंजर बन गया,जब समय लगभग साढ़े चार बजे नियति ने एक भयावह दुर्घटना की पटकथा लिखनी चाही लेकिन किस्मत ने अंतिम क्षणों में कलम रोक ली।बरेठा घाट के समीप ढलान पर आम से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर हुंडई कंपनी की कार पर इस तरह पलटा मानो पहाड़ टूटकर गिर पड़ा हो।हादसे की विभीषिका ने राहगीरों की सांसें थाम दीं, लेकिन सौभाग्य से कार में सवार नागपुर निवासी विकास मेश्राम और शुभम मेश्राम मामूली चोटों के साथ सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए।हालांकि कार पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गई लोहे का वह ढांचा जो कुछ पल पहले जीवन की रफ्तार समेटे हुए था।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,ढलान पर इटारसी की ओर जा रही कार के चालक ने सामने से आ रहे वाहन को ओवरटेक करने के लिए ब्रेक लगाया। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहा ट्रक संतुलन खो बैठा। चालक ने कार को बचाने की भरसक कोशिश की लेकिन नियति के आगे नियंत्रण जवाब दे गया और ट्रक सीधे कार पर पलट गया।घटना की सूचना मिलते ही शाहपुर पुलिस मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहीं,ट्रांसपोर्टिंग कंपनी ने ट्रक में भरे आम को दूसरे वाहन के जरिए सुरक्षित स्थान पर भिजवाने की व्यवस्था की।लेकिन इस घटना ने एक बार फिर बरेठा घाट की भयावह सच्चाई को उजागर कर दिया है। स्थानीय व्यापारियों और रहवासियों का कहना है कि इस ढलान पर हादसे अब आम हो चले हैं।सड़क के किनारे लगी दुकानें,तिरपाल और अतिक्रमण मार्ग की दृश्यता को बाधित करते हैं।जिससे दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।यह हादसा भले ही एक चेतावनी बनकर थम गया हो,लेकिन सवाल अब भी खड़े हैं।क्या प्रशासन इस मौत के मोड़ को सुरक्षित बनाने के लिए जागेगा,या फिर अगली खबर किसी बड़ी त्रासदी की होगी।सड़कें सिर्फ रास्ते नहीं होतीं, वे जीवन की डोर होती हैं। जब उन पर लापरवाही और अव्यवस्था का कब्जा हो जाए,तो हर सफर एक जुआ बन जाता है। बरेठा घाट अब चेतावनी दे रहा है।समय रहते संभल जाइए,वरना हादसे दस्तक नहीं देते,सीधे इतिहास बन जाते हैं।

लघुकथा लेखन को गंभीरता से लेने की आवश्यकता -डॉ. सूर्यकान्त नागर

मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति इंदौर द्वारा एक़ दिवसीय लघुकथा कार्यशाला सम्पन्न

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

लघुकथा लेखन को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है आज लघुकथा को सहजता से लेने वालों के कारण लघुकथा लेखकों की बाढ़ सी आई है यह ठीक नहीं | ' यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सूर्यकान्त नागर के जो मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति इंदौर द्वारा आयोजित एक़ दिवसीय लघुकथा लेखन कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे | इस कार्यशाला में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया और लघुकथा सृजन की बारीकीयों को वरिष्ठ लघुकथा लेखकों द्वारा समझा, कार्यक्रम का संचालन करते हुए समिति के शिक्षा मंत्री उमेश पारेख ने इस कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला | विषय प्रवर्तन करते हुए अपनी बात साहित्य मंत्री डॉ.पदमा सिंह ने रखी | कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में तरुण भटनागर तथा विशिष्ठ अतिथि के रूप में घनश्याम मैथिल अमृत उपस्थित थे | 'लघुकथा का वर्तमान स्वरूप और कलात्मकता ' पर वरिष्ठ साहित्यकार ज्योति जैन ने 'लघुकथा में विषय चयन ' पर वरिष्ठ लघुकथाकार संतोष सुपेकर ने अपनी बात रखी सत्र की अध्यक्षता कर रही श्रीमती कांता रॉय निदेशक लघुकथा शोध केंद्र समिति ने विस्तार से कार्यशाला में अपने विचार साझा किये, इस कार्यशाला में अरविन्द जवलेकर सभा प्रधानमंत्री तथा राकेश शर्मा सम्पादक 'वीणा' सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित थे |

केरवा डैम पहुंचे मंत्री, कहा-2 माह में निर्माण करें, भोपाल में 6 महीने पहले गिरा था 50 साल पुराना वेस्ट वियर फिर बन रहा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मंगलवार को जलसंसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट यहां पहुंचे और बाकी बचा काम 2 महीने में पूरा करने के निर्देश दिए। भोपाल के केरवा डैम ब्रिज के ऊपर बना सीमेंट क्रांक्रीट का स्लैब (वेस्ट वियर) करीब 6 महीने पहले अचानक गिर गया था। इसके बाद यहां नया वेस्ट वियर का निर्माण हो रहा है। मंगलवार को जलसंसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट यहां पहुंचे और बाकी बचा काम 2 महीने में पूरा करने को निर्देश दिए। बता दें कि भदभदा डैम साल 1965 में बना था। इस हिसाब से केरवा डैम करीब 50 साल पुराना है। केरवा डैम से भोपाल के कोलार इलाके में पानी की सप्लाई होती है। मंत्री सिलावट ने अगले ही दिन निरीक्षण करके वेस्ट वियर की जगह नवनिर्माण करने के आदेश दिए थे। मंगलवार को मंत्री सिलावट फिर से मौके पर पहुंचे और निर्देश दिए कि केरवा डैम के क्षतिग्रस्त वेस्ट वियर का कार्य अगले दो महीने में पूरा कर लें। कार्य गुणवत्ता पूर्वक हो एवं संबंधित अधिकारी निरंतर कार्य का निरीक्षण कर वरिष्ठ अधिकारियों को प्रगति की जानकारी दें। अधीक्षण यंत्री बीएलनिमामा, कार्यपालन यंत्री नितिन कुहिकर, एसडीओ प्रदीप चतुर्वेदी भी मौजूद थे। केरवा बांध की कुल लंबाई 396. 50 मीटर एवं उंचाई 22.6 मीटर है। बांध की कुल जीवित जल भराव क्षमता 22.6 मिलियन घन मीटर है।

विशाल चौहान, आनंद कुर्मी और आकाश पर भी सुनवाई पूरी

सोनम के बाद प्रेमी राज की जमानत पर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

दैनिक कारखाने का सफर। इंदौर

शिलॉन्ग में हुए चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में कानूनी हलचल तेज हो गई हैं। सोनम रघुवंशी को जमानत मिलने के बाद अब उसके कथित प्रेमी और सह आरोपी राज कुशवाह की जमानत याचिका पर लंबी बहस हुई। मंगलवार को शिलॉन्ग की जिला एवं सत्र अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। उम्मीद जताई जा रही है कि एक-दो दिनों में कोर्ट अपना फैसला सुना सकती है। सरकारी वकील केशव गौतम ने बताया कि राज के साथ ही अन्य तीन आरोपी विशाल चौहान, आनंद कुर्मी और आकाश राजपूत की याचिका पर भी सुनवाई पूरी हो गई है।
राज के वकील योबिन ने बताया कि एक से दो दिन में आदेश की कॉपी हमें मिल जाएगी। राज के वकील ने कोर्ट में तर्क दिया है कि इस मामले की मुख्य आरोपी सोनम को पहले ही जमानत मिल चुकी है। ऐसे में 'पैरिटी' (समानता) के नियम के तहत राज को भी जेल में रखना उचित नहीं है। जब मास्टरमाइंड मानी जा रही आरोपी को राहत मिल गई है, तो सह-आरोपी को भी इसका लाभ मिलना चाहिए। कोर्ट ने सोनम रघुवंशी को पुलिस की जांच प्रक्रिया में रही तकनीकी खामियों के आधार पर जमानत दे दी थी। सोनम जेल से बाहर आ गई, जिसके बाद मृतक राजा रघुवंशी के परिजनों ने गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया है। राजा की मां उमा रघुवंशी ने इसे न्याय के साथ खिलवाड़ बताते हुए मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है। परिवार का कहना है कि यदि साजिश के मुख्य किरदार ही बाहर आ जाएंगे तो गवाहों को खतरा हो सकता है। सोनम की रिहाई के बाद अब राज की जमानत पर आने वाला फैसला इस केस की दिशा तय करेगा। यदि राज को भी जमानत मिलती है तो राजा के परिजन हाई कोर्ट में अपील करने की तैयारी कर रहे हैं। फिलहाल, शिलॉन्ग कोर्ट के सुरक्षित रखे गए आदेश पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस की आरोपी उसकी पत्नी सोनम और कथित प्रेमी राज कुशवाह के बीच पुलिस शिकंजे में आने के बाद दरार आनी शुरू हो गई है। दोनों एक-दूसरे को राजा की हत्या का मास्टरमाइंड बता रहे हैं। मेघालय के ईस्टर्न रेंज के DIG डेविस एनआर मारक ने कहा- दोनों में से कौन मास्टरमाइंड है?

विशाल चौहान | आकाश राजपूत | आनंद कुर्मी

सिद्ध-शिव योग में विशेष आराधना, गणेश-हनुमान की कृपा से कष्टों के निवारण की कामना

संकष्टी गणेश चतुर्थी संग बड़ा मंगल का अद्भुत संयोग, दादाजी धाम में सामूहिक शिव अभिषेक व हनुमान चालीसा पाठ संपन्न

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर, भोपाल में मंगलवार को संकष्टी गणेश चतुर्थी एवं ज्येष्ठ माह के प्रथम बड़ा मंगल का पावन एवं दुर्लभ संयोग श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर सामूहिक रूप से भगवान शिव का अभिषेक तथा हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

इस दिन भगवान शिव के अभिषेक का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार संकष्टी चतुर्थी पर भगवान गणेश की आराधना के साथ भगवान शिव का अभिषेक करने से समस्त विघ्नों का नाश होता है और जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। वहीं ज्येष्ठ माह के बड़ा मंगल पर हनुमान जी की उपासना के साथ शिव अभिषेक करने से विशेष पुण्य फल प्राप्त होता है, क्योंकि भगवान शिव को हनुमान जी का आराध्य माना गया है। जल, दूध, बेलपत्र आदि से अभिषेक करने पर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा कष्टों और बाधाओं से मुक्ति मिलती है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार ज्येष्ठ मास में ही भगवान श्रीराम और हनुमान जी का प्रथम मिलन हुआ था, जो भक्ति, समर्पण और सेवा का अद्वितीय प्रतीक है। इस दिव्य संयोग के दिन विघ्नहर्ता भगवान गणेश की आराधना के साथ संकटमोचन हनुमान जी की उपासना विशेष फलदायी मानी जाती है।

मंदिर में हनुमान जी को विधिवत चोला अर्पित किया गया तथा भगवान गणेश को मोदक एवं बूंदी के लड्डुओं का भोग लगाया गया। ज्येष्ठा नक्षत्र एवं सिद्ध योग में संपन्न इस संयुक्त आराधना को भक्तों के जीवन से विघ्नों और कष्टों के निवारण हेतु अत्यंत प्रभावकारी माना गया।

ज्येष्ठ मास के सभी आठ मंगलवारों पर मंदिर में हनुमान जी का विशेष श्रृंगार, चोला अर्पण, हनुमान चालीसा पाठ एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन कर वातावरण को भक्तिमय बनाया गया।

अकोला में हिंदुत्व की महाहुंकारः 'भारत को आधिकारिक रूप से हिंदू राष्ट्र घोषित करें' – विधायक टी. राजा सिंह का प्रतिपादन

16 हजार से अधिक हिंदुओं की उपस्थिति में अकोला का 'एकवीरा मैदान' हुआ चैतन्यमय

दैनिक कारखाने का सफर। अकोला

तेलंगाना के प्रखर हिंदुत्वनिष्ठ विधायक टी. राजा सिंह ने अकोला की ऐतिहासिक भूमि पर हिंदुत्व का नया मंत्र फूंकते हुए संकल्प व्यक्त किया कि अब भारत को आधिकारिक रूप से 'हिंदू राष्ट्र' घोषित करने का समय आ गया है। अकोला के श्री एकवीरा मैदान में आयोजित भव्य 'हिंदू राष्ट्र-जागृति' सभा में उमड़ा 16 हजार से अधिक हिंदुओं का जनसागर देखकर उन्होंने अकोला के हिंदुओं की जागृति की जमकर प्रशंसा की।

संतों की वंदनीय उपस्थिति में संपन्न हुई भव्य 'हिंदू राष्ट्र-जागृति' सभा

हिंदू राष्ट्र समन्वय समिति द्वारा आयोजित इस सभा में मुख्य रूप से पू. श्री ईश्वरदास महाराज, पू. बालकदास महाराज और सनातन संस्था के धर्मप्रचारक संत पू. अशोक पात्रीकर की वंदनीय उपस्थिति रही। संतों के आशीर्वाद और वेदमंत्रों के उद्घोष के साथ सभा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मंच पर सनातन संस्था की धर्मप्रचारक सद्गुरु स्वाती खाडये और हिंदू जनजागृति समिति के महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ राज्य संगठक श्री सुनील घनवट के भी ओजस्वी संबोधन हुए।

अतिक्रमण और लव जिहाद के विरुद्ध हुंकार

विधायक टी. राजा सिंह ने अपनी शैली में राज्य के ज्वलंत मुद्दों को उठाया। औरंगजेब की कब्र के रखरखाव के लिए खर्च किए जाने वाले सरकारी कोष को रोकने की मांग करते हुए उन्होंने विदर्भ के नरनाला और नरसिंहगढ़ किलों पर हुए 'हरे अतिक्रमण' का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सीधा चेतावनी देते हुए कहा, "यदि पुरातत्व विभाग ने इन अवैध निर्माणों पर कार्रवाई नहीं की, तो छत्रपती शिवाजी महाराज के मावलों को स्वयं का मार्ग अपनाना पड़ेगा।" साथ ही, अकोला नगर निगम के स्थायी समिति सभागार का नाम 'टीपू सुल्तान' से बदलकर 'धर्मवीर छत्रपती संभाजी महाराज' करने के लिए उन्होंने प्रशासन को ७ मई तक की समय-सीमा दी है।

सत्य की विजय और संगठित होने का आह्वान

सभा को संबोधित करते हुए सद्गुरु स्वाती खाडये ने 'हिंदू आतंकवाद' जैसे शब्दों का प्रयोग कर हिंदुत्वनिष्ठों को बदनाम करने की पुरानी साजिशों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कई मामलों में न्यायालय द्वारा हिंदुत्वनिष्ठों की ससम्मान दोषमुक्ति सत्य की विजय है। समर्थ रामदास स्वामी की सीख 'धटासी आणावा धट' (दुष्ट के साथ दुष्टता का व्यवहार) का स्मरण कराते हुए उन्होंने जाति-पाति भूलकर एकजुट होने का आह्वान किया।

'बिंदी घर' और 'ग्राम सुरक्षा दल'

हिंदू जनजागृति समिति के श्री सुनील घनवट ने प्रशासन की भूमिका पर प्रश्नचिह्न खड़ा किया। उन्होंने कहा, "छत्रपति के महाराष्ट्र में हिंदुओं की सभाओं का विरोध होना दुर्भाग्यपूर्ण है।" अकोला के 'बिंदी घर' प्रकरण का संदर्भ देते हुए उन्होंने हिंदुओं को सतर्क रहने के लिए कहा। साथ ही प्रत्येक गांव में 'ग्राम सुरक्षा दल' की स्थापना कर धर्म पर होने वाले आघातों को रोकने की अपील की।

गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति

इस ऐतिहासिक सभा में अकोला के सांसद श्री अनुप संजय धोत्रे, विधायक श्री रणधीर सावरकर, महापौर शारदा खेडकर, उपमहापौर श्री अमोल गोगे, पूर्व महापौर सुमन गावंडे, नगर निगम सदन नेता पवन महल्ले, शिवसेना (शिंदे गुट) शहर प्रमुख राजेश मिश्रा और जिला उपाध्यक्ष योगेश अग्रवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। राष्ट्रभक्त अधिवक्ता समिति के वकीलों के दल ने विधायक राजा सिंह को कानूनी सहयोग का आश्वासन पत्र सौंपा। सभा के अंत में बाल साधकों द्वारा साकार महापुरुषों के स्वरूप और 'वंदे मातरम्' के गायन से संपूर्ण वातावरण राष्ट्रप्रेम से सराबोर हो गया।

महिला सशक्तिकरण पर भाजपा सरकार बेनकाब, पुलिस बैंड में महिलाओं को मौका क्यों नहीं? : सुश्री संगीता शर्मा

कांग्रेस का हमला, बातों में सशक्तिकरण, जमीन पर भेदभाव, महिलाओं के अधिकारों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री संगीता शर्मा ने मध्यप्रदेश में महिला सशक्तिकरण को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि एक ओर महिलाएं अंतरिक्ष, खेल, सेना, संगीत, कला और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का नाम रोशन कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर राज्य में पुलिस बैंड जैसी सेवाओं में उन्हें अवसर से वंचित रखना गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि लैंगिक समानता केवल नीतियों की बात नहीं, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार है, जिसका हर भर्ती प्रक्रिया में पालन अनिवार्य है। इसके बावजूद सरकार की नीयत और नीति की पीपीपी दोनों पर सवाल उठ रहे हैं।

संगीता शर्मा ने आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार महिला सशक्तिकरण के नाम पर केवल मंचीय भाषण और दिखावटी घोषणाएं कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाने के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार वास्तव में उन पहलों की उपेक्षा कर रही है, जो महिलाओं को वास्तविक रूप से सशक्त बना सकती हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने पुलिस विभाग में महिला पुलिस बैंड के गठन और प्रशिक्षण जैसी अभिनव पहल शुरू की थी, जिसका उस समय भाजपा नेताओं ने मजाक उड़ाया और इसे "फालतू" करार दिया। जबकि यह पहल महिलाओं को सम्मान, पहचान और रोजगार देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम थी।

महिलाओं ने साबित की है उपयोगिताः सुश्री शर्मा ने कहा कि हालिया मीडिया रिपोर्टों में भी यह तथ्य सामने आया है कि सुरक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी अभी भी अधूरी है। वर्षों से "कार्य की प्रकृति" का हवाला देकर महिलाओं को कई भूमिकाओं से दूर रखा गया है, जबकि जहां भी अवसर मिले, महिलाओं ने अपनी योग्यता सिद्ध की है। आरक्षकों की नियुक्ति सेवा के लिए है अधिकारियों के बंगले के लिएः संगीता शर्मा ने कहा कि गंभीर प्रश्न भी उठता है कि क्या पुलिस बैंड में पुरुष आरक्षकों की नियुक्ति वास्तव में बैंड सेवा के लिए की जा रही है, या फिर उन्हें बाद में पुलिस अधिकारियों के बंगलों पर निजी कार्यों में लगाया जाएगा? उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति पर नजर डालें तो बड़ी संख्या में पुलिस बल मैदान में तैनात है, जबकि एक हिस्सा ऐसे कार्यों में लगा दिखाई देता है जो मूल पुलिस कर्तव्यों से संबंधित नहीं हैं—जैसे बंगलों की ड्यूटी, घरेलू कार्य, बच्चों को स्कूल छोड़ना या अन्य निजी कार्य। सुश्री शर्मा ने कहा कि यदि यही व्यवस्था जारी रहती है, तो यह न केवल पुलिस बल के संसाधनों का दुरुपयोग है, बल्कि योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय भी है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री शर्मा ने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि पुलिस बैंड में होने वाली नियुक्तियां वास्तव में किस उद्देश्य के लिए हैं, और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पुलिस बल का उपयोग केवल सार्वजनिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए ही किया जाए, न कि निजी कार्यों के लिए।

महिला पुलिस बैंड तत्काल शुरू करेंः प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री शर्मा ने सरकार से मांग की है कि महिला पुलिस बैंड जैसी योजनाओं को तत्काल पुनः शुरू किया जाए। महिलाओं के लिए रोजगार और प्रशिक्षण के नए अवसर सृजित किए जाएं। सशक्तिकरण के नाम पर राजनीति बंद कर वास्तविक कार्य किया जाए।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की महिलाएं अब खोखले वादों से नहीं, बल्कि ठोस काम और परिणाम चाहती हैं, और कांग्रेस पार्टी उनके अधिकारों के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेगी। संगीता शर्मा ने सवाल उठाया कि आज वही भाजपा नेता महिला सशक्तिकरण की बात तो करते हैं, लेकिन क्या उन्होंने उस पहल को आगे बढ़ाया? क्या महिलाओं के लिए नए अवसर सृजित किए गए? उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि सशक्तिकरण केवल भाषणों से नहीं, बल्कि ठोस निर्णयों और योजनाओं से आता है।

कलामन्दिर संस्था की पहल पर भोपाल शहर को प्रदेश के पहले साहित्यकार पार्क में भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन आज प्रातः 10.30 बजे

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

कलामन्दिर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ गौरीशंकर शर्मा ने बताया कि संस्था की माँग पर महापौर मालती राय जी ने वार्ड नं 31 प्लेटिनम प्लाज़ा के सामने नवदुर्गा खाटूश्याम मन्दिर के सामने के पार्क को कलामन्दिर साहित्यकार पार्क के नाम पर आवंटित किया, जिसमें विधायक भगवानदास सबनानी ने अपनी विधायक निधि से राशि आवंटित कर मध्यप्रदेश शासन से पार्क में एक दो मंजिल भवन निर्माण की अनुज्ञा स्वीकृत करवा दी है। यह कार्य शीघ्रता से सम्पन्न हो अतः पंडित विष्णु राजोरिया के द्वारा दिनांक 6 मई 2026 को प्रातः 10.30 बजे भूमि पूजन का मुहूर्त बताया है। कार्यक्रम में भोपाल नगर के सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय, विधायक भगवानदास सबनानी, पंडित डॉ. विष्णु राजौरिया वार्ड पार्षद ब्रजुला सचान, एवं कलामन्दिर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ गौरीशंकर शर्मा 'गौरीश' सहित कलामन्दिर संस्था की कार्यकारिणी के पदाधिकारी / सदस्य एवं शहर की साहित्यिक संस्थाओं के सभी साहित्यकार उपस्थित रहेंगे।

भोपाल-इंदौर मेट्रो में 7000 में प्री-वेडिंग शूटःफिल्म की शूटिंग, बर्थ-डे सेलिब्रेशन भी कर सकेंगे, 15 दिन पहले करानी होगी बुकिंग

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल और इंदौर मेट्रो में अब प्री-वेडिंग शूट, फिल्म की शूटिंग और बर्थडे सेलिब्रेशन भी किए जा सकेंगे। इसके लिए लोगों को एक घंटे के 5 से 7 हजार रुपए तक खर्च करने पड़ेंगे। 15 दिन पहले बुकिंग भी करानी होगी। नियम और टाइमिंग दोनों का ध्यान रखना होगा। सेलिब्रेशन में न तो शराब ले जा सकेंगे और न ही बीड़ी-सिगरेट। पटाखे ले जाने पर भी मनाही है। मेट्रो में प्रवेश से पहले स्टेशन पर चेकिंग की जाएगी। इस सुविधा की शुरुआत 5 मई से ही कर दी गई है। बता दें कि भोपाल में मेट्रो का उद्घाटन पिछले साल 20 दिसंबर को हुआ था। इसे 21 दिसंबर से आम लोगों के लिए खोला गया था। इससे पहले इंदौर में 31 मई 2025 से मेट्रो ट्रैक पर दौड़ने लगी थी।

भोपाल मेट्रो की शुरुआत 20 दिसंबर 2025 को की गई थी। लगातार घट रहे हैं मेट्रो के पैसेंजर्स शुरुआत में बड़ी संख्या में लोग मेट्रो का सफर करने पहुंचे लेकिन अब यात्री लगातार घट रहे हैं। यही कारण है कि अब मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने 'सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स' की शुरुआत की है। बर्थ-डे हो या प्री-वेडिंग, फिल्म की शूटिंग और इवेंट्स, मेट्रो अब नया डेस्टिनेशन बनेगा। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में चल रही मेट्रो में ये सुविधा पहले से लागू है। यह तस्वीर, उत्तर प्रदेश मेट्रो की है। वहां यात्रियों को इस तरह की सुविधा पहले से मिल रही है। यह तस्वीर, उत्तर प्रदेश मेट्रो की है। वहां यात्रियों को इस तरह की सुविधा पहले से मिल रही है। मेट्रो के एमडी एस. कृष्ण चैतन्य ने कहा- सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स पहल भोपाल और इंदौर की जीवंत संस्कृति, तेजी से बढ़ते शहरी परिवेश और नागरिकों की बदलती जीवनशैली को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह पहल मेट्रो को आम जनता के और करीब लाने का एक प्रयास है। जिससे लोग अपने विशेष अवसरों को मेट्रो जैसे सुरक्षित और आधुनिक वातावरण में मना सकें। इससे मेट्रो सेवाएं नागरिकों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनेंगी। भोपाल में मेट्रो करीब 6 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर दौड़ रही है। इसके 8 स्टेशन हैं। इनमें सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय, डीबी मॉल, एमपी नगर, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, डीआरएम ऑफिस, अलकापुरी और एम्स शामिल हैं।

वहीं, इंदौर में 6.3 किलोमीटर के दायरे में मेट्रो का संचालन हो रहा है। गांधी नगर, सुपर कॉरिडोर स्टेशन- 5, 6, 4 और 3 में मेट्रो चल रही है।

तृणमूल का आगे क्या होगा!

यह लाख टके का सवाल है कि तृणमूल कांग्रेस का क्या होगा? इसमें कोई संदेह नहीं है कि ममता बनर्जी सडक पर उतर कर लड़ने वाली नेता हैं और वे आसानी से भाजपा को सरकार नहीं चलाने देंगी। जिस तरह भाजपा को ओडिशा में कोई चुनौती नहीं मिल रही है वैसा पश्चिम बंगाल में नहीं होगा। वहां ममता बनर्जी लगातार सरकार से भिड़ती रहेंगी। लेकिन उम्र उनके साथ नहीं है। दूसरे, उन्होंने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपना उत्तराधिकारी बनाया है लेकिन उनकी छवि वैसी नहीं है, जैसी ममता की रही है। इसलिए पार्टी के ऊपर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। गौरतलब है कि चुनाव के बीच में यह अफवाह उड़ी थी कि तृणमूल कांग्रेस के 15 सांसद भाजपा के संपर्क में हैं। उनके कुछ राज्यसभा सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की बात कही गई थी। इसके जवाब में तृणमूल ने कहा कि भाजपा के सांसद ममता बनर्जी के संपर्क में हैं।असल में चुनाव के दौरान भाजपा का यह माइंडगेम था, जिसके तहत यह साजिश थ्योरी प्रचारित की गई कि ममता बनर्जी के सांसद भाजपा के संपर्क में हैं। लेकिन अब क्या सचमुच ऐसा हो सकता है? क्या साजिश थ्योरी सही साबित हो सकती है? ध्यान रहे पश्चिम बंगाल का इतिहास ऐसा ही रहा है। लेफ्ट के लोग तो पार्टी छोड़ कर नहीं गए। लेकिन कांग्रेस के अनेक नेता पार्टी छोड़ कर गए। ममता बनर्जी की पूरी पार्टी कांग्रेस नेताओं से बनी है। इन नेताओं को सत्ता में रहने की आदत है। अगर उनको लगता है कि अब पश्चिम बंगाल में भाजपा भी कई सालों तक रहने वाली है तो वे पाला बदल सकते हैं। कहा जा रहा है कि भाजपा इसी लोकसभा में अपने सांसदों की संख्या बढ़ा कर बहुमत तक पहुंचना चाह रही है। इसलिए हैरानी नहीं होगी अगर बंगाल में ऑपरेशन लोटस शुरू हो। मुस्लिम बहुल इलाकों को छोड़ कर दूसरे इलाकों के सांसद पाला बदल सकते हैं। ममता की पार्टी के 29 सांसद हैं।

ट्रंप की लटकी तलवार!

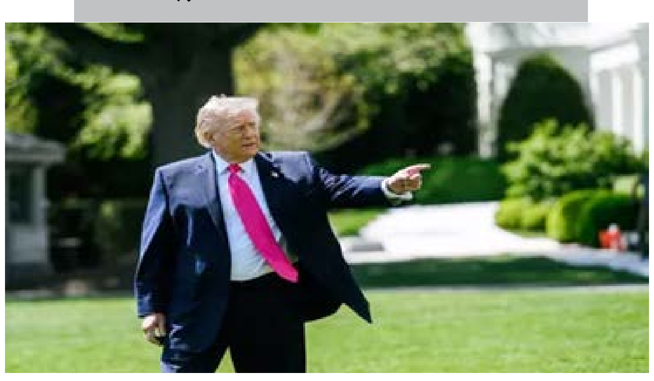

व्यापार वार्ता में शामिल भारतीय अधिकारियों ने अमेरिका के सामने अब तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया है कि हर रियायत झटकने के बाद नया दबाव बना देने की ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है? भारत की दलीलों को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने स्वीकार नहीं किया। उसने अमेरिका की 2026 की विशेष 301 रिपोर्ट की निगरानी सूची में भारत को बनाए रखा है। इसका मतलब है कि बौद्धिक संपदा संबंधी नियमों में ढील देने के लिए अमेरिका भारत पर दबाव बनाए रखेगा। वह चाहता है कि भारत अपने दवा क्षेत्र को संरक्षण देने वाले कानून बदल दे, ताकि अमेरिकी कंपनियां यहां ज्यादा मुनाफा कमा सकें। धारा 301 अमेरिका का अपना कानून है। इसके बावजूद इसके तहत हुई जांच में भारत ने हिस्सा लिया। सुनवाई के दौरान दलील दी भारत के बौद्धिक संपदा संबंधी नियम विश्व व्यापार संगठन के कायदों के अनुरूप हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में और आम जन को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए भारतीय दवा कंपनियों को वैधानिक संरक्षण दिया गया है। साथ ही भारत ने अपने पेटेंट कानून में जरूरी सुधार किए हैं, ताकि आविष्कार भावना और जन हित दोनों के हित सध सकें। लेकिन ट्रंप प्रशासन के कदम से जाहिर है कि उसने इन तर्कों को ठुकरा दिया। उसने भारत पर तलवार लटकाए रखने का फैसला किया है। इसका संकेत है कि आगे चल कर इसके तहत वह प्रतिबंध या ऊंचा शुल्क लगाने जैसी कार्रवाइयां कर सकता है। उसने ये नजरिया तब अपनाया है, जब बताया गया है कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते की वार्ता में अच्छी प्रगति हुई है। मुद्दा यह है कि क्या भारत ये वार्ता अपने ऊपर लटक रही ऐसी तलवारों के साये में कर रहा है? अपेक्षित यह है कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते में तमाम क्षेत्रों में कारोबार से जुड़ी पेचीदगियों को हल कर लिया जाए। यह तो नहीं हो सकता कि कुछ वस्तुओं के आयात- निर्यात पर सहमति बने, जबकि कुछ मामलों में अमेरिका दबाव बनाए रखे। अमेरिका के ताजा कदम से यह सवाल उठना लाजिमी है कि भारतीय वार्ताकार सौदेबाजी कर रहे हैं या वे सिर्फ अमेरिकी वार्ताकारों से डिक्टेशन ले रहे हैं? उन्होंने अब तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया है कि हर रियायत झटकने के बाद नया दबाव बना देने की ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है?

बंगाल में कैसे जीती भाजपा!

पश्चिम बंगाल की भौगोलिक और जनसंख्या संरचना को देख कर बहुत से राजनीतिक विश्लेषक और नेता भी यह मानते थे कि भारतीय जनता पार्टी को बहुत पहले पश्चिम बंगाल में चुनाव जीत जाना चाहिए था। पश्चिम बंगाल की सीमा बांग्लादेश से मिलती है, जहां से घुसपैठ होने और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा होने का नैरेटिव बहुत दिनों से बनता रहा है। घुसपैठ के कारण और ऐतिहासिक रूप से मुस्लिम बहुलता की वजह से राज्य की जनसंख्या संरचना भाजपा के हिंदुत्व के नैरेटिव को सपोर्ट करती थी। इसके बावजूद भाजपा चुनाव नहीं जीत पाती थी। पिछले चुनाव में राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा और हिंदुत्व का नैरेटिव बनाने के बावजूद भाजपा जीत नहीं सकी थी। इस बार उसका नैरेटिव भी चल गया और उसका बारीक प्रबंधन भी कामयाब हो गया। भाजपा ने बंगाल का किला फतह कर लिया। ममता बनर्जी चुनाव हार कर सत्ता से बाहर हो गईं। पश्चिम बंगाल में भाजपा को मिली बड़ी जीत का विश्लेषण कई पहलुओं से किया जा सकता है। लेकिन मोटे तौर पर तीन बातों को रेखांकित करने की जरुरत है। ये तीन बातें ही सबसे अहम हैं। पहला, भाजपा को यह संदेश बनवाना था कि वह चुनाव जीत रही है, जो कि उसने बनवा दिया। दूसरा, यह भरोसा दिलाना था कि इस बार चुनाव से पहले, चुनाव के दौरान और चुनाव के बाद कोई हिंसा नहीं होगी, यह भरोसा दिलाने में भी वह कामयाब हुई और तीसरा कि भाजपा व राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ का हिंदुत्व किसी भी रूप में पश्चिम बंगाल के हिंदुत्व से अलग नहीं होगा, यह मैसेज भी आम हिंदुओं तक पहुंच गया। इन तीन बातों को बहुत सारे फैक्टर में विभाजित करके देखा जा सकता है। लेकिन बुनियादी रूप से ये तीन बातें ही भाजपा की जीत को परिभाषित करती हैं। असल में पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत के लिए जरूरी स्थितियां पहले से मौजूद थीं। राज्य में 27 फीसदी मुस्लिम आबादी थी, ममता बनर्जी की सरकार द्वारा मुस्लिम तुष्टिकरण के प्रत्यक्ष प्रमाण थे और बांग्लादेश से घुसपैठ व बढ़ती मुस्लिम आबादी से जनसंख्या संरचना बदलने का खतरा भी दिख रहा था। इन स्थितियों की मौजूदगी के बावजूद भाजपा नहीं जीत पा रही थी तो उसका कारण यह था कि हिंदुत्व को लेकर हिंदू समाज बंटा हुआ था और हिंदुओं के अंदर भय था। वे भरोसा नहीं कर पा रहे थे कि भाजपा चुनाव जीत रही है। इस बार भाजपा ने सबसे पहले भय को खत्म करने का प्रयास शुरू किया। इस काम में चुनाव आयोग ने बड़ी भूमिका निभाई। सवाल है कि हिंदुओं को कैसे भरोसा होता कि भाजपा जीत रही है? इसके लिए सबसे पहले उन स्थितियों को बदलना था, जिनके आधार पर तृणमूल की जीत पक्की मानी जाती थी। वह काम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर से शुरू हुआ। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची की सफाई शुरू की। ऐसे मतदाता, जिनकी मृत्यु हो चुकी थी या जो स्थायी रूप से शिफ्ट हो गए थे या जिनके नाम एक से ज्यादा जगह पर दर्ज थे, उनके नाम मतदाता सूची से हटाया गया। बंगाल में यह माना जाता था कि ऐसे लोगों की सूची तृणमूल के पास होती थी और मतदान के दिन दोपहर के समय ऐसे तमाम लोगों के वोट डाल दिए जाते थे। इसे 'छापा वोट' कहा जाता था। जब ऐसे 63 लाख लोगों के नाम कटे तो हिंदुओं को भरोसा बना कि अब 'छापा वोट' नहीं होगा। इसके बाद दूसरी स्थिति मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में एकतरफा वोट होने की थी। तार्किक विसंगति के नाम पर जब 27 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटे और यह खबर आई कि मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तरी दिनाजपुर इलाकों में सबसे ज्यादा नाम रोके गए हैं तो उससे भी धारणा प्रभावित हुई। भाजपा ने दावा किया कि तृणमूल के फर्जी मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। इस तरह हिंदुओं को भाजपा की जीत का भरोसा दिलाने के बाद उनको यह यकीन दिलाने की जरुरत थी कि हिंसा नहीं होगी। इसके लिए चुनाव आयोग ने अभूतपूर्व तरीके से ढाई लाख केंद्रीय अर्धसैनिक बल तैनात किए। चुनाव आयोग ने खुद सोशल मीडिया में तृणमूल कांग्रेस का नाम लेकर लिखा कि इस बार भय मुक्त, हिंसा मुक्त चुनाव होगा। आयोग ने यह भी कहा कि सोर्स जैमिंग और बूथ जैमिंग नहीं हो पाएगी।

यानी लोगों को घरों से निकल कर वोट देने से नहीं रोका जा सकेगा और उन्हें बूथ पर भी नहीं रोका जा सकेगा। केंद्रीय बलों की तैनाती, केंद्रीय पर्यवेक्षकों की तैनाती, सुपरवाइजर की नियुक्ति और इन सबको देख कर तृणमूल कांग्रेस की बौखलाहट ने हिंदुओं को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। सुरक्षा का यह भाव मतदान प्रतिशत में दिखाई दिया। मतदान प्रतिशत 92 से ऊपर जाने के पीछे एक कारण एसआईआर था लेकिन उसके अलावा पिछली बार के मुकाबले 31 लाख ज्यादा लोगों ने इस बार मतदान किया। इसके बाद बारी थी भाजपा और पश्चिम बंगाल का हिंदुत्व अलग अलग होने की धारणा को बदलने की। भाजपा ने इसके लिए गंभीर प्रयास किए। उसके नेता मछली हाथ में लेकर प्रचार करने उतरे। उसके नेताओं ने सार्वजनिक रूप से मांस, मछली खाकर दिखाया। यह संदेश दिया कि तृणमूल कांग्रेस की ओर से भाषा, संस्कृति और धर्म को लेकर जो भय दिखाया जा रहा है वह झूठ है। इसका असर भी हिंदुओं पर हुआ। इसके लिए भाजपा ने इस बार अपने तमाम बाहरी और हिंदी भाषी नेताओं को परदे के पीछे रखा। संगठन प्रभारी और चुनाव प्रभारी ने इस बार प्रचार नहीं किया, बल्कि परदे के पीछे रह कर काम किया। इससे ममता बनर्जी को बाहरी और भीतरी का नैरेटिव बनाने का भी मौका नहीं मिला।

ध्यान रहे पश्चिम बंगाल में हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएगा, मुस्लिम घुसपैठिए बढ़ कर सारे संसाधनों पर कब्जा कर लेंगे, ममता बनर्जी मुसलमानों का तुष्टिकरण करती हैं ये सारे नैरेटिव पहले से थे। लोग इससे प्रभावित होकर भाजपा को वोट कर रहे थे। पिछले दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव में भाजपा को औसतन 40 फीसदी वोट मिला। यह पूरा का पूरा वोट हिंदुओं का था। उसे इस वोट में 10 फीसदी और हिंदू वोट जोड़ना था। जैसे ही उसने जीत की धारणा बनवाई और हिंसा नहीं होने का भरोसा दिलाया वैसे ही उसका पहले से मौजूद हिंदुत्व का नैरेटिव चुनाव जिताने वाला बन गया और भाजपा से दूरी रखने वाले हिंदुओं का बड़ा समूह भी उसके साथ आ गया। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा भद्रलोक का था, जो भाषा और संस्कृति के नाम पर भाजपा से दूरी रखता था। इसके बाद कई औऱ फैक्टर जोड़े जा सकते हैं, जिसने इस नैरेटिव को कामयाब बनाने में भूमिका निभाई। जैसे भाजपा ने जमीनी स्तर पर बहुत अच्छा प्रबंधन किया। अलग अलग जातियों, धर्मों और क्षेत्र के लोगों को बंगाल भेजा गया, जिन्होंने वहां जमीनी स्तर पर काम किया। सिख समुदाय के नेता भेजे गए तो राजस्थान व गुजरात के नेता भी भेजे गए। बिहार के नेताओं को ऐसे इलाकों में लगाया गया, जहां प्रवासी बिहारी वोट ज्यादा थे। ऐसे ही बंगाल के बाहर काम करने वाले लोगों को लाने की व्यवस्था की गई। सभी सीटों पर ताकत लगाने की बजाय जीत सकने वाली सीटों को चुना गया। हालांकि ऐसे माइक्रो मैनेजमेंट ममता बनर्जी की पार्टी ने भी किया लेकिन इस तरह का प्रबंधन तभी काम करता है, जब आपका सेंट्रल नैरेटिव काम कर रहा हो। इस बार भाजपा ने हिंदुत्व और सनातन को बचाने का जो सेंट्रल नैरेटिव सेट किया वह चल गया तो उसकी बाकी सारी चीजें भी असरदार हो गईं।

-अजीत द्विवेदी

तमिलनाडु की नई पसंद!

टीवीके के संस्थापक विजय खुद को पेरियार की विरासत से जोड़ते हैं और भारतीय संविधान को अपनी आस्था का दस्तावेज मानते हैं। इस रूप कहा जा सकता है कि तमिलनाडु ने सिर्फ चेहरा बदला है, राजनीतिक विचारधारा नहीं। तमिलनाडु में 59 साल बाद ऐसा हुआ है, जब वहां द्रविड़ मुनेत्र कड़गम या अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के अलावा कोई पार्टी कोई सत्ता की दावेदार बनी है। 1967 में पहली बार डीएमके सत्ता में आई। 1972 में एमजी रामचंद्रन ने इससे अलग होकर एडीएमके का गठन किया। 1967 से 2021 तक डीएमके ने सात बार और एडीएमके ने पांच बार सरकार बनाई। मगर 2026 में ये सिलसिला टूटने जा रहा है। चंद्रशेखर जोसेफ विजय पहले ही दांव में अपनी पार्टी टीवीके- तमिल वेट्री कड़गम (तमिल विजय संघ)- को सबसे बड़ा दल बनवाने में सफल रहे हैं।

फिल्म अभिनेता के रूप में सफल करियर के बाद राजनीति में आए 51 वर्षीय विजय ने 2024 में टीवीके का गठन किया। वे खुद को ईवी रामास्वामी नायकर पेरियार की विरासत से जोड़ते हैं और भारतीय संविधान को अपनी आस्था का दस्तावेज मानते हैं। इस रूप कहा जा सकता है कि तमिलनाडु ने सिर्फ चेहरा बदला है, राजनीतिक विचारधारा नहीं। जयललिता की मृत्यु के बाद एडीएमके के पास वैसे भी कोई लोकलुभावन चेहरा नहीं बचा है। इसके बावजूद इस चुनाव में पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया है, तो यह संभवतः राज्य में मौजूद एंटी इन्कबेंसी (डीएमके सरकार से असंतोष) का परिणाम है। लंबे समय से परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोपों के दाग डीएमके की छवि पर रहे हैं। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुजरे पांच साल में अपनी राजनीति को हिंदुत्व और हिंदी विरोध पर केंद्रित रखा। मगर जन आंकाक्षाओं के मोर्चे पर वे खरे नहीं उतरे। इससे विजय के उदय की पृष्ठभूमि बनी। बड़ी संख्या में मतदाताओं ने नए चेहरे पर दांव लगाने का मन बनाया। वैसे नीति या कार्यक्रम के मामले में विजय ने भी कुछ नया पेश नहीं किया है। उनका चुनाव घोषणापत्र भी प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण, दुल्हनों को आठ ग्राम सोना जड़ित सिल्क साड़ी देने, 200 यूनिट फ्री बिजली, किसानों की पांच लाख रुपये तक की कर्ज माफी और तमिलनाडु को 2023 तक 1.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने जैसे बड़बोले वादों से भरा-पड़ा है। यानी तमिलनाडु में नए चेहरे की सदारत में भी लोकलुभावन- यानी वोट खरीदी- की पुरानी सियासत जारी रहेगी।

कंकाल हाज़िर है!

अप्रैल 2026 की सत्ताईस तारीख। स्थान, ओडिशा में क्योंझर ज़िले के गांव मालीपोसी की बैंक शाखा! जीतू मुंडा नाम का एक इंसान (यदि मानें तो) भरी दोपहरी की तेज़ गर्मी में अपने गवाह को लेकर पहुंचा। गवाह था वह कंकाल, जो दो महीने पहले मरी उसकी 56 वर्षीय बहन कालरा मुंडा का था! जीतू मुंडा ने बोरी से कंकाल निकाला। उसे इस भाव हाजिर किया मानों कंकाल बोलेगा कि देख लीजिए, मेरी शिनाख्त करें, मैं शपथ लेकर कहती हूं कि मेरे बैंक खाते में जो 19,300 रुपए जमा हैं, वह मेरे भाई को दें। यमराज व्यवस्था के चित्रगुप्त घबरा गए। ऐसा संकट! ऐसी हिमाकत कि चित्रगुप्त (अफसरों) की रिकॉर्ड-कीपिंग सिस्टम के आगे कंकाल बोले- मैं सत्य, तुम झूठे। तुरंत यमदूतों को तलब किया गया। वे डंडा लहराते पहुंचे। उन्होंने मनुष्य (जीतू मुंडा) से कहा- जा, वापस ले जा कंकाल। श्मशान में वापस दफना! वह बेचारा! समझा नहीं। आखिर अफसरों ने ही तो कहा था- मौत का सबूत दो। वह ले आया तो पुलिसवाले कह रहे हैं- ले जाओ! वह क्या करता। जैसे वह कंकाल को लेकर आया था, वैसे ही वापस बोरी में भर पैदल तीन किलोमीटर दूर श्मशान घाट गया। वहीं बहन के अवशेष दफनाए, जहां से निकाले थे। दियानाली गांव का पचास वर्षीय जीतू मुंडा एक आदिवासी है। उसे न स्वर्ग का पता है और न नरक का। न वह साक्षर है, न उसकी कोई हैसियत है या पहचान है। उसने तो वही किया जो उसे कहा गया था। बाद में पत्रकारों ने बात की तो बताया- मैं कई बार बैंक गया, लेकिन वहां के लोगों ने कहा कि पैसे निकालने के लिए खाताधारक को साथ लाओ। मैंने उन्हें बताया कि मेरी बहन की मौत हो चुकी है, पर उन्होंने मेरी बात नहीं मानी। सबूत देने को कहा। मैंने श्मशान खोदा, कंकाल निकाला, बैंक ले आया। बैंक सूत्रों के अनुसार कालरा मुंडा के बैंक खाते में जो नॉमिनी था, उसकी भी मृत्यु हो चुकी है। इसलिए उसके नाम पर जमा पैसों पर दावा करने वाला एकमात्र व्यक्ति जीतू मुंडा ही था। पर जीतू नहीं जानता कि मौत के सबूत का एक मृत्यु प्रमाणपत्र होता है। कानूनी वारिस और नॉमिनी होते हैं। खबर में यह भी मालूम हुआ कि इलाके के जनाब हाकिम बीडीओ साहिब ने कहा, 'मुझे आज ही इस बारे में पता चला है। हम देखेंगे कि इस मुद्दे को सुलझाने के लिए क्या किया जा सकता है'! क्या आपको पता है भारत में कितने करोड़ लोग जीतू मुंडा होंगे? करोड़ों! कैसे? पिछले वर्षों में नरक को स्वर्ग बनाने के चक्कर में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने जीतू मुंडा जैसे भोले जीवों को जनधन खातों

का झुनझुना दिया। कोई 57–58 करोड़ खाते हैं। इनमें लगभग छह करोड़ वे खाते हैं, जिनमें सरकारी धनराशि, इंसानों को परजीवी लाभार्थियों में बदलने वाली कोई 327 सरकारी योजनाओं का पैसा (बूढ़ों-दिव्यांगों को दो-तीन-पांच सौ रुपए की पेंशन, किसान-महिला सम्मान निधि) छह-सात करोड़ लोगों के खातों में जाता है। मेरा मानना है कि जीतू मुंडा की बहन का बैंक खाता ऐसे ही जनधन वाला होगा। और इसे मैंने गांव-देहात की बैंक शाखाओं में खुद देखा है कि बेचारे अनपढ़ बूढ़े लाभार्थी कैसे पैसे निकलवाने के लिए बाबुओं, बिचौलियों के आगे गिड़गिड़ाते हैं। भटकते रहते हैं। पर जनधन खातों का ही क्यों, खाते-पीतों और खासकर रिटायर लोगों को भी नरक के भंवर में घूमना होता है। मेरा खुद का ताज़ा अनुभव था कि मेरा केवाईसी के कारण खाता बंद हुआ। बेटी ने बैंक के चक्कर लगाए, दरखास्त दी, पर नहीं हुआ। मुझे पहचान के लिए जाना पड़ा। और अर्से बाद बैंक गया तो देखा- बैंक में पहले जैसा, उतना स्टाफ ही नहीं। सब ऑनलाइन, डिजिटल है तो बैंक न्यूनतम स्टाफ के हैं। वे भी अस्थायी, कामचलाऊ कर्मचारियों के बूते। मालूम हुआ कि दिल्ली की बैंक शाखाओं का बैक ऑफिस नोएडा में है। कागज़ वहां जाते हैं और रिमोट से हां-ना होती है। और मेरे मामले में दिक्कत यह है कि आधार से पुष्टि नहीं हो रही। मशीन मेरे सामने रखी गई। मैंने अंगूठा लगाया। मशीन न अंगूठे की छाप पकड़े और न उंगलियों की। बार-बार कोशिश, पर जीरो नतीजा। फिर पता पड़ा- यह तो बुजुर्गों की आम समस्या है। उम्र के साथ अंगूठे की रेखाएं सपाट हो जाती हैं या बदलती हैं, और आपको साठ साल की उम्र के बाद बहुत पहले ही वापस आधार केंद्र जाकर फिर से फिंगरप्रिंट दर्ज करा देने थे! बहरहाल, मैं क्योंकि इस व्यवस्था का पासपोर्टधारी भी हूं तो काम हो गया, पर मैंने लगे हाथ आधार ठीक कराने की सोची। पोस्ट ऑफिस पहुंचा और वहां आधार के लिए इतनी भीड़ देखी कि मैंने तौबा की। फिर समझ आया- हिंदुओं के बेचारे यमराज, उनकी रिकॉर्ड-कीपिंग सिस्टम के मालिकान चित्रगुप्त (अफसर), यमदूत (फोर्स) भी क्या कर सकते हैं। वे भी तो फाइल का हिस्सा है! तभी भारत 21वीं सदी का वह नरक है जो गरुड़ पुराण, भागवत पुराण, मनुस्मृति में वर्णित नरक से भी ऊंचा और बिरला है। हिंदू धर्म का नरक "कर्म सिद्धांत" से जुड़ा है। मतलब जो जैसा करेगा वैसा भोगेगा। वही भारत का नरक इस सिद्धांत से निर्मित है- जो पाप करेगा वही पुण्य पाएगा। जीतू मुंडा क्योंकि भोला-नादान है तो बैंक के अफसरों का ऐसे सताना उनका भारत राष्ट्र-राज्य के धर्म में पुण्य है। मोदी-भागवत छाप हिंदुओं को कभी गरुड़ पुराण के "प्रेतकल्प" भाग के 28 प्रमुख नरकों का विवरण पढ़ना चाहिए। इनमें कोई नरक ऐसा नहीं है, जिसका चित्रगुप्त (अफसर) जीतू मुंडा और कालरा मुंडा के भोलेपन को पाप मानकर उसे "धर्म विरोधी जीवन जीने के लिए बने कांटेदार पेड़ों के वन की सजा वाले 'असिपत्रवन नरक' में डाले। और उसी की क्रूरता में वह बेचारा श्मशान से अपनी बहन का कंकाल लेकर उसके सबूत पर अपनी रोटी का जुगाड़ करे। 28 अगस्त को जीतू मुंडा की खबर छपी तो सुबह मुझे एक पत्रकार का यह वाक्य पढ़ने को मिला, जिसका भाव था- इस खबर से सरकार के क्या मायने! सोचें, एक सनातनी के जीवन में धर्म और सत्ता के क्या अर्थ हैं? क्या वह व्यवस्था नहीं जिसमें जीव का संरक्षक वह ईश्वर (हम अवतार धारणा में जीते हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ईश्वर ने मुझे विशेष प्रयोजन से भेजा है) है, जो धर्मतंत्र का स्वामी है। उसी में फिर अंतिम न्याय, स्पष्ट अधिकारों का एक राजा है- यमराज। और हर जीव के हर कर्म का एक सटीक रिकॉर्डधारी है- चित्रगुप्त। फिर हैं यमदूत। साथ ही दंड की दो-टूक व्यवस्था में कर्म-विशेष के अनुसार त्वरित और निश्चित स्वर्ग या नरक! स्वर्ग-नरक की धारणा का सत्व-तत्व, प्राथमिक शर्त मानव के आचरण की है। व्यवहार, रिश्तों में संवेदना, गरिमा के वे धागे जो होमो सेपियंस की विशिष्टता हैं। इस मामले में धर्मशास्त्र का नरक, उसका यमराज, उसके अफसर, यमदूत का सिस्टम भी दो-टूक है, स्पष्ट है। वहा हर मनुष्य बराबरी की इस कसौटी में है कि जैसा करोगे वैसा भोगोगे। नरक तंत्र क्रूर है, लेकिन स्पष्ट और संगठित है। उसका यमराज न झूठ बोलता है, न छल करता है, न अहंकारी है और न मनुष्यों को बेईमान बनाने की व्यवस्थाएं, कानून बनवाता है। वह घूस नहीं खाता। वह प्रताड़ित नहीं करता। वह धर्म निभाता है। धर्मरचना की उस व्यवस्था में मनुष्य की पहचान आधार कार्ड नहीं है, वोटर कार्ड नहीं है, जन्म प्रमाणपत्र, मृत्यु प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि स्वयं साक्षात मनुष्य है। पर भारत की व्यवस्था में मनुष्य अब वह एक पशु है जिस पर शक, संदेह राष्ट्र धर्म है। भारत का नागरिक वोट का अधिकारी भी तब है जब सरकार की फाइल, दस्तावेज़ उसे वोटर करार दे। चुनाव आयोग उसे अपनी लिस्ट में डाले। वोट, चुनाव, लोकतंत्र की अहमियत नहीं है, पर उन बाबुओं, उन पक्षपाती यमदूतों, चित्रगुप्तों या यमराज की है जिन्हें कर्म के आधार पर नहीं, नियत, नियम, अनुकूलता में अपना नरक चलाना है। मनुष्य होना, उसका चेहरा, उसका बोलना, लिखना पर्याप्त नहीं है, न ही मानवता, मानवीय संवेदना, भावना, गरिमा का मतलब है। मतलब है सिर्फ पहचान पत्र, कागज़ और फाइल प्रोसेसिंग।दुनिया में जहां नरक नहीं है, वहां कायदा है कि मनुष्य योनि में जन्म होना ही उसकी पहचान है! भारत में अलग कायदा है। मनुष्य को बार-बार यह साबित करना होता है कि वह ज़िंदा है, उसका केवाईसी मौजूद है। वह पहचानपत्रधारी है। यमराज ने अपने नरक में पापियों के लिए पहचान के शायद ही ऐसे कार्ड बनवाए हों! यमराज अपने निवासियों पर संदेह नहीं करता, पर भारत करता है। वह दुनिया का नंबर एक शक्की देश है। और वह जिंदा को मरा और मरे को जिंदा भी कर देता है !हाल में लंदन की वैश्विक पत्रिका 'The Economist' ने एक लंबी रिपोर्ट छापी। शीर्षक था, "उत्तर प्रदेश के 'मृत लोगों' का संघ"। मेरे लिए इसमें कुछ भी नया नहीं था। पचास साल के अपने अनुभव में तंत्र को मैंने इसी सच्चाई में आंका है। 'द इकोनॉमिस्ट' के सत्य में रामबचन राजभर का यह सत्य है कि वह अपनी ज़मीन का रिकॉर्ड निकालने गया तो पता चला कि उसकी पैतृक ज़मीन किसी और के नाम पर दर्ज हो चुकी है। कैसे? कागज़ों में उसका चचेरा भाई "मृत" घोषित था। सो, उसी आधार पर ज़मीन दूसरे के नाम पर लिख गई। यह उत्तर प्रदेश के बेचारे मनुष्यों के इलाकों में एक आम धोखाधड़ी है- जहां रिश्वत देकर जीवित व्यक्ति को सरकारी रिकॉर्ड में मृत घोषित कर दिया जाता है।

-हरिशंकर व्यास

ऑपरेशन सिंदूर का सच आया सामने, विदेशी रिपोर्ट में खुलासा, भारत ने घर में घुसकर पाकिस्तान को दी थी पटखनी

एजेंसी वारसा

ऑपरेशन सिंदूर के एक साल बाद एक विदेशी रिपोर्ट में पाकिस्तान की झूठ का पर्दाफाश हुआ है। पाकिस्तान ने चीन और अमेरिका की मदद से भारत के खिलाफ जमकर प्रोपेगैंडा फैलाया था। इस प्रौपेगैंडा में भारतीय विमानों को मार गिराए जाने से लेकर कई तरह के दावे किए गए थे। हालांकि, 7 मई को शुरू हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष की वास्तविक कहानी कुछ और ही कहती है। मैडिसन पॉलिसी फोरम में युद्ध अध्ययन के अध्यक्ष जॉन स्पेंसर ने सबूतों और कई प्रतिष्ठित वारफेयर एनॉलिटिकल सस्थाओं की रिपोर्टों के आधार पर भारत की सफलता को उजागर किया है। उन्होंने बताया है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने कैसे पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र पर वर्चस्व कायम किया था, जिससे इस्लामाबाद को घुटनों पर आकर संघर्ष विराम की गुहार लगानी पड़ी थी। उन्होंने लिखा कि 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के शुरुआती हमलों के एक साल बाद भी, भारतीय विमानों के गिराए जाने और पाकिस्तान की शुरुआती सफलताओं की कहानी अभी भी बनी हुई है। भारत-पाकिस्तान टकरावों में यह कहानी एक तय पैटर्न पर चलती रही है। हर टकराव के बाद, पाकिस्तान तेजी से सूचना के माहौल को अपने हिसाब से ढालने की कोशिश करता है, और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में बढ़ा-चढ़ाकर या झूठे दावे फैला देता है। इसके विपरीत, भारत संयमित रहता है, और बहुत कम आधिकारिक बयान देता है, कहानी पर हावी होने की ज्यादा कोशिश नहीं करता। जॉन स्पेंसर ने कहा, "7 से 10 मई, 2025 तक चला 88 घंटे का हवाई अभियान, शुरुआत में इसी पैटर्न पर चलता दिखा। शुरुआती रिपोर्टों में भारतीय विमानों के नुकसान के दावों पर बहुत ज्यादा जोर दिया गया था। पश्चिमी मीडिया के एक बड़े हिस्से ने पाकिस्तान वायुसेना को ऐसी सफलता हासिल करते हुए दिखाया था जो उसकी क्षमता से कहीं ज्यादा थी। लेकिन यह कहानी बारीकी से जांचे जाने पर खरी नहीं उतरी। 15 जनवरी, 2026 को स्विट्जरलैंड के 'सेंटर डी हिस्टोयर एट डी प्रॉस्पेक्टिव मिलिटेयर्स' द्वारा जारी एक रिपोर्ट में, शुरुआती दावों के बजाय ऑपरेशन से जुड़े असली डेटा का इस्तेमाल करके इस अभियान की पूरी तस्वीर फिर से तैयार की गई है।" सैन्य इतिहासकार एड्रियन फोंटानेलाज़ द्वारा लिखी गई और स्विस वायु सेना के रिटायर्ड मेजर जनरल क्लाउड मेयर की अगुवाई वाली एक समिति द्वारा जांची गई यह रिपोर्ट, चार दिनों तक चली लड़ाई के दौरान हुई घटनाओं के क्रम को बताती है। यह रिपोर्ट दिखाती है कि विमानों का शुरुआती नुकसान—जिसने अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बटोरी थीं—दरअसल एक बड़े अभियान का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा था। यह अभियान समय के साथ बिल्कुल अलग तरीके से आगे बढ़ा और इसका अंत कुछ इस तरह हुआ कि पाकिस्तान वायुसेना पूरी तरह से पस्त हो गई, भारत ने पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के एक बड़े हिस्से पर अपनी हवाई श्रेष्ठता स्थापित कर ली, और पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों तक में सटीक हवाई हमले किए।

उन्होंने कहा, "पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमलों के जवाब में, भारत ने 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान-प्रशासित कश्मीर में मौजूद आतंकवादियों के नौ ठिकानों पर हवाई हमले किए। पाकिस्तान ने तुरंत इसका जवाब दिया। इस शुरुआती टकराव के बारे में, 'सेंटर डी हिस्टोयर एट डी प्रॉस्पेक्टिव मिलिटेयर्स' की रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि भारत को कम से कम एक राफेल, एक मिराज 2000, और एक MiG-29UPG या Su-30MKI विमान का नुकसान हुआ था। ये नुकसान सामरिक दृष्टि से काफी अहम थे और तुरंत ही साफ तौर पर दिखाई दे रहे थे। इन्हीं नुकसानों ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया की शुरुआती रिपोर्टों का रुख तय किया और इस धारणा को मजबूती दी कि पाकिस्तान को बढ़त हासिल हो गई है।" लेकिन 10 मई की सुबह तक, यह पूरी तस्वीर ही पलट चुकी थी। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के प्रमुख हिस्सों पर हवाई वर्चस्व हासिल कर लिया था, जबकि पाकिस्तानी वायुसेना उन ऑपरेशन्स को जारी रखने में लगातार असमर्थ होती जा रही थी, जिन्हें उसने शुरुआती रात में अंजाम दिया था। यह नतीजा किसी एक हमले या किसी एक झड़प का परिणाम नहीं था। यह कई दिनों तक चले दुश्मन की हवाई सुरक्षा को जान-बूझकर दबाने और नष्ट करने के अभियान से सामने आया, जिसने पाकिस्तान की देखने, तालमेल बिठाने और जवाब देने की क्षमता को कमजोर कर दिया। 8 मई को, भारतीय सेना ने पाकिस्तान की हवाई सुरक्षा से जुड़ी आठ जगहों पर हमला किया, जिनमें चुनियां और पसुरूर में लगे अर्ली वॉर्निंग रडार और कम से कम एक HQ-9 लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल बैटरी शामिल थी। 9 मई को, उन्होंने चार और जगहों पर हमला किया, और एक बार फिर पाकिस्तान के हवाई सुरक्षा नेटवर्क के हिस्सों को निशाना बनाया। यह बदलाव पिछले दो दिनों में की गई कई कार्रवाइयों की वजह से हुआ। 8 मई को, भारतीय सेना ने पाकिस्तान की हवाई सुरक्षा से जुड़ी आठ जगहों पर हमला किया, जिनमें चुनियां और पसुरूर में लगे अर्ली वॉर्निंग रडार और कम से कम एक HQ-9 लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल बैटरी शामिल थी। 9 मई को, उन्होंने चार और जगहों पर हमला किया, और एक बार फिर पाकिस्तान के हवाई सुरक्षा नेटवर्क के हिस्सों को निशाना बनाया। इन हमलों में मुख्य रूप से इजरायल में बनी 'हारोप' और 'हार्पी' जैसी 'लोइटरिंग म्यूनिशन्स' (लंबे समय तक हवा में मंडराकर हमला करने वाले हथियार) का इस्तेमाल किया गया। ये बाद के हमले उन रडार कवरेज और मिसाइल प्रणालियों पर दबाव बनाए रखने पर केंद्रित थे, जो या तो शुरुआती हमले से बच गए थे या फिर जवाब में अपनी जगह बदल चुके थे। कुल मिलाकर, इन हमलों ने पाकिस्तान की देखने, तालमेल बिठाने और जवाब देने की क्षमता को कमज़ोर कर दिया; हवाई युद्ध में यह क्षमता अक्सर विमानों के आपस में भिड़ने से पहले ही निर्णायक साबित होती है। पाकिस्तानी विमानों के लिए तय की गई 'एंगेजमेंट एनवेलप' (हमले की सीमा) का विस्तार भी उतना ही महत्वपूर्ण था। एक S-400 सिस्टम ने लगभग 300 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद एक अत्यंत महत्वपूर्ण हवाई प्लेटफॉर्म को निशाना बनाया, जिससे पाकिस्तान वायुसेना को इस बात पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि वह कैसे और कहां से अपने ऑपरेशन्स को अंजाम दे सकती है। 'सेंटर डी'हिस्टोयर एट डी प्रॉस्पेक्टिव मिलिटेयर्स' की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के कई विमानों का नुकसान इन्हीं प्रणालियों की वजह से हुआ। इन विमानों में F-16 और JF-17 भी शामिल थे। यह नुकसान न केवल विमानों की सामान्य क्षति को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि पाकिस्तान के लिए विवादित हवाई क्षेत्र के भीतर ऑपरेशन्स को अंजाम देना अब लगातार मुश्किल होता जा रहा है। S-400 सिस्टम ने लगभग 300 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद एक अत्यंत महत्वपूर्ण हवाई प्लेटफॉर्म को निशाना बनाया, जिससे पाकिस्तान वायुसेना को इस बात पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि वह कैसे और कहां से अपने ऑपरेशन्स को अंजाम दे सकती है। सेंटर डी हिस्टोयर एट डी प्रॉस्पेक्टिव मिलिटेयर्स की रिपोर्ट इस युद्ध का निर्णायक चरण 10 मई को आया। 02:00 बजे से 05:00 बजे के बीच, भारतीय वायुसेना ने सुनियोजित तरीके से कई चरणों में हमले किए; इन हमलों में भारतीय हवाई क्षेत्र के भीतर से ही 'ब्रह्मोस', 'SCALP-EG' और 'Rampage' जैसी लंबी दूरी की सटीक मारक क्षमता वाली मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। इन हमलों के लिए चुने गए लक्ष्य पूरे पाकिस्तान में अलग-अलग जगहों पर फैले हुए थे—उत्तर में इस्लामाबाद के पास से लेकर मध्य और दक्षिणी हवाई अड्डों तक। इन हमलों का मुख्य उद्देश्य पाकिस्तान की कमांड, कंट्रोल और ऑपरेशनल क्षमता को एक ही समय पर कमजोर करना था। उत्तर में, इस्लामाबाद के पास स्थित और पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व के बुनियादी ढांचे से सटा नूर खान एयर बेस निशाना बना। यहां कम से कम एक मिसाइल ने एक अहम कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर को भेदा। पाकिस्तान के MALE ड्रोन बेड़े के मुख्य केंद्र, मुरीद एयर बेस पर कई हैंगर और एक ड्रोन नियंत्रण सुविधा पर हमला किया गया, जिससे पाकिस्तान की मानवरहित हमला करने की क्षमता को सीधे उसके स्त्रोत पर ही निशाना बनाया गया। मध्य पाकिस्तान में, रहीम यार खान एयर बेस के रनवे पर कई हमले हुए, जिससे विमानों की उड़ानें बाधित हुईं; वहीं, पास का नागरिक टर्मिनल—जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर ड्रोन कंट्रोल सेंटर के तौर पर किया जाता था—भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसी हमले की लहर के तहत रफीकी एयर बेस को भी निशाना बनाया गया, हालांकि वहां हुए नुकसान के बारे में अभी कोई खास जानकारी सामने नहीं आई है। दक्षिण में, सुक्कुर एयर बेस को निशाना बनाया गया। यहां ड्रोन हैंगर और रडार के बुनियादी ढांचे पर हमले हुए, जिससे यह अभियान पूरे पाकिस्तान की ऑपरेशनल गहराई तक पहुंच गया। इसके बाद सरगोधा, जैकोबाबाद और भोलाड़ी पर हमलों की दूसरी लहर आई, जिसमें लड़ाकू विमानों और हवाई चेतावनी देने वाले प्लेटफॉर्म को सहायता देने वाली सुविधाओं को भी निशाना बनाया गया। इन हमलों का मकसद ऑपरेशनल क्षमता को उसके मूल स्त्रोत पर ही कमजोर करना था।

चुभेगा तो जरूर...जहां गुपचुप जड़ें जमा रहा था चीन, वहीं भारत ने रख दिए मजबूत कदम

एजेंसी नई दिल्ली

भारत ने हजारों किलोमीटर दूर कैरेबियाई देश जमैका में अपने मजबूत कदम रख दिए हैं। पूरे कैरेबियाई देशों में चीन गुपचुप तरीके से निवेश कर रहा है और अपनी जड़ें मजबूती से जमा रहा है। ये छोटा सा देश भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। भारत ने अब वहां पर अपने मजबूत कदम रख दिए हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी जमैका के दौरे पर रहे। जानते हैं कि जमैका जैसा देश भारत के लिए कितना जरूरी है? विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने सोमवार को जमैका के नेतृत्व और व्यापारिक हितधारकों के साथ व्यापक चर्चा की, जिसमें कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने और आर्थिक जुड़ाव का विस्तार करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। जयशंकर ने कहा कि विकास सहयोग भारत और जमैका के बीच साझेदारी का एक प्रमुख स्तंभ बना हुआ है डॉ. जयशंकर जमैका की विदेश मंत्री कामिना जॉनसन स्मिथ और अन्य कैबिनेट सदस्यों के साथ अपनी बैठक के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जमैका के दौरे से स्वच्छ ऊर्जा, हेल्थ सेक्टर और ब्रॉडकास्टिंग में सहयोग पर सहमति बनी, जो समावेशी और भावी भागीदारी पर आधारित होगी। जमैका अमेरिका के पीछे स्थित है। जमैका कैरेबियाई क्षेत्र का एक प्रवेश द्वार माना जाता है। पूरे कैरेबियाई क्षेत्र में चीन ने गुपचुप तरीके से भारी-भरकम निवेश किया हुआ है। ऐसे में भारत की जमैका में मौजूदगी चीन के दबदबे

को कमतर करने की कोशिशों के रूप में देखा जा रहा है। भारत अब उस क्षेत्र में मजबूती से मौजूद है, जहां अब तक चीनी प्रभाव ज्यादा था। भारत चक्रवाती तूफान से तबाह जमैका के पुनर्निर्माण में मदद की है। उसने दोस्त बनकर जमैका की मदद की है। खुद जयशंकर ने इस बात का हवाला दिया है। जमैका में करीब 70,000 भारतीय मूल के लोग यानी भारतवंशी हैं, जो दोनों देशों के बीच जुड़ाव की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। भारत जमैका की सांस्कृतिक विरासत में रुचि लेता है और जमैका में 10 मई को 'भारतीय विरासत दिवस' मनाया जाता है। दोनों देशों के बीच क्रिकेट और राष्ट्रमंडल सदस्यता जैसे सांझे संबंध हैं। जयशंकर ने जमैका दौरे पर भारतीय प्रवासियों को संबोधित भी किया। जयशंकर ने बताया कि जमैका के नेतृत्व के साथ बातचीत व्यापक और सार्थक रही, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं को शामिल किया गया और सहयोग को और मजबूत करने के नए रास्ते तलाशे गए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए और डिजिटल परिवर्तन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, खेल और डिजिटल भुगतान जैसे क्षेत्रों में हाल ही में संपन्न हुए समझौता ज्ञापनों के प्रभावी कार्यान्वयन पर चर्चा की ताकि जमीनी स्तर पर ठोस परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें। जमैका वैश्विक दक्षिण के लिहाज से भी अहम भारत और जमैका दोनों ही विकासशील देश हैं। गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) और G-77 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दोनों देश मिलकर काम करते हैं। भारत की वैश्विक दक्षिण (Global South) की राजनीति में जमैका एक नया और अहम केंद्र बन रहा है। डॉ. जयशंकर ने जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस के साथ भी मुलाकात की, जिसमें वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। उन्होंने इस वर्ष मार्च में किंग्सटन टाउन में ग्रामीण आजीविका सुधार परियोजना के सफल समापन और हस्तांतरण का भी उल्लेख किया।। उन्होंने कहा कि यह परियोजना भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष के तहत भारत की 10 लाख डॉलर की सहायता से लागू की गई थी। जयशंकर ने कहा कि इस पहल से 200 से अधिक व्यक्तियों को प्रत्यक्ष लाभ हुआ है और किटसन टाउन समुदाय में हजारों लोगों पर इसका व्यापक सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जमैका में भारत बनाएगा कारीगर सशक्तीकरण केंद्र जयशंकर ने कहा कि भारत तूफान मेलिसा के बाद जमैका के पुनर्निर्माण और विकास में सहयोग करने पर गर्व महसूस करता है।

पश्चिम बंगाल में BJP की जीत से बांग्लादेश परेशान, विदेश मंत्री बोले- 'पुश इन' हुआ तो करेंगे कार्रवाई

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने कहा है कि अगर बांग्लादेश-भारत सीमा पर "पुश इन" की कोई घटना होती है, तो सरकार जरूरी कदम उठाएगी। उनका यह बयान पश्चिम बंगाल चुनाव में बीजेपी की जीत के बाद आया है। पुश इन से मतलब बांग्लादेशी अवैध घुसपैठिए को उनके देश में वापस भेजने की घटना से है। बांग्लादेश का आरोप है कि भारतीय सशस्त्र बल घुसपैठियों को सीमा पार उनके इलाकों में जबरन दाखिल कराते हैं। हालांकि, भारत ने बांग्लादेश के 'पुश इन' के आरोपों से इनकार किया है। डेली सन की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को स्टेट गेस्ट हाउस 'पद्मा' में पत्रकारों से बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अगर ऐसी घटनाएं होती हैं, खासकर भारत के पश्चिम

बंगाल में राजनीतिक बदलावों के संदर्भ में, तो ढाका उचित जवाब देगा। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश को तीस्ता जल-बँटवारा समझौते को लागू करने के मामले में भारत से प्रगति की उम्मीद है, और इस मुद्दे को सुलझाने के व्यापक प्रयासों के तहत, वह तीस्ता परियोजना से जुड़ी चीन की प्रस्तावित मास्टर प्लान पर चीन के साथ बातचीत जारी रखेगा। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर दिया बयान

इससे पहले, विदेश मंत्री ने ढाका में आए एक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की आलोचना से जुड़े सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि यह समझौता "बहुत अच्छा" है, और यह भी जोड़ा कि आलोचक इसकी अहमियत को तब बेहतर समझ पाएंगे, जब वे इसकी तुलना दूसरे देशों द्वारा किए गए समझौतों से करेंगे। चीन के साथ तीस्ता परियोजना पर करेंगे चर्चा जब उनसे पूछा गया कि क्या चीन की उनकी आगामी यात्रा के दौरान तीस्ता परियोजना पर चर्चा होगी, तो डॉ. रहमान ने पुष्टि की कि यह एजेंडा में शामिल होगा। उन्हें चीन सरकार के निमंत्रण पर चीन की यात्रा पर जाना है, और वे 7 मई तक बीजिंग में रहेंगे।

होर्मुज स्ट्रेट में फिर भड़की आग, डोनाल्ड ट्रंप के "प्रोजेक्ट फ्रीडम" से बढ़ा युद्ध का खतरा

एजेंसी वॉशिंगटन

मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के बीच हालात एक बार फिर तनावपूर्ण होते नजर आ रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में युद्धविराम की स्थिति कमजोर पड़ती दिख रही है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप के नए सैन्य अभियान और ईरान की प्रतिक्रिया ने स्थिति को और मुश्किल बना दिया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, अमेरिका ने "प्रोजेक्ट फ्रीडम" नाम से एक अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य होर्मुज स्ट्रेट में फंसे अंतरराष्ट्रीय जहाजों के आवागमन को सुरक्षित करना है। बता दें कि यह जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति का एक अहम रास्ता है और यहां किसी भी तरह की बाधा से दुनिया भर में ऊर्जा संकट गहराता है। गौरतलब है कि ईरान ने इस क्षेत्र पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए अमेरिकी जहाजों और सहयोगी देशों के ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि युद्धविराम अभी समाप्त नहीं हुआ है, हालांकि झड़पें जारी हैं। वहीं अमेरिकी सेना प्रमुख जनरल डैन केन के मुताबिक, युद्धविराम के बाद से ईरान ने अमेरिकी बलों पर दस से अधिक बार हमले किए हैं, लेकिन ये अभी बड़े युद्ध की सीमा से नीचे हैं। अमेरिकी सेना का कहना है कि ईरान ने क्रूज मिसाइल, ड्रोन और छोटे नौकाओं के जरिए हमला किया, हालांकि कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। अमेरिकी पक्ष का दावा है कि उसने ईरान की कई नौकाओं को नष्ट कर दिया है, जबकि ईरान ने इन दावों को खारिज किया है। इसी बीच, एक दक्षिण कोरियाई संचालित जहाज में विस्फोट और आग लगने की घटना भी सामने आई है। ट्रंप ने इसके लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराते हुए दक्षिण कोरिया से इस अभियान में शामिल होने की अपील की है। हालांकि सियोल सरकार इस प्रस्ताव पर विचार कर रही है। बताया जा रहा है कि संयुक्त अरब अमीरात ने भी ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों और ड्रोन को रोका है, जिससे एक तेल संयंत्र में आग लग गई और तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए हैं। इस घटना की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हो रही है। ईरान के शीर्ष नेताओं ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि यह केवल शुरुआत है और इस संकट का कोई सैन्य समाधान नहीं है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इसे "गतिरोध की स्थिति" बताया है और चेतावनी दी है कि क्षेत्र को दोबारा युद्ध में नहीं धकेला जाना चाहिए। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि शांति बनाए रखना बेहद जरूरी है ताकि बातचीत का रास्ता खुला रह सके। आर्थिक मोर्चे पर भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं और अमेरिका में ईंधन की कीमतों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि कुछ गिरावट देखी गई है, लेकिन बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। शिपींग क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि अभी हालात पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियां जोखिम को देखते हुए अपने जहाजों को रोककर रख रही हैं। उनका मानना है कि जब तक दोनों पक्षों के बीच भरोसा कायम नहीं होता, तब तक सामान्य स्थिति बहाल होना मुश्किल है।

मिसाइल से मारेंगे और मानेंगे भी नहीं! UAE पर ईरान ने क्यों बदली चाल

एजेंसी वॉशिंगटन

एक बार फिर से किसी भी वक्त जंग बहुत ज्यादा भड़क सकती है क्योंकि यूएई पर बीती रात जिस तरीके से हमले हुए जिस तरीके से फुजेरा पोर्ट की बात की जाए या फिर अबू धाबी शारजाह या फिर दुबई की क्यों ना बात की जाए वहां पर धड़ाधड़ मिसाइलें ड्रोन अटैक की खबरें आई थी। इस बीच ईरान की तरफ से भी प्रतिक्रिया। जब यूएई पर हमले हो रहे हैं और यूएई की तरफ से बकायदा अपने लोगों को ये संदेश जारी किया गया कि अलर्ट रहिए सुरक्षित स्थानों पर रहिए मिसाइल और ड्रोन हमले हो रहे हैं। हमारे यहां डिफेंस सिस्टम उनका जवाब दे रहे हैं। लेकिन ईरान की तरफ से जिस प्रतिक्रिया की उम्मीद थी वो नहीं दिखाई दे रही। हमले दुबई में फजरा में शारजहां तक पर हुए हैं। यूएई के इन बड़े शहरों पर हुए हैं। ईरान ने दुबई से कह दिया है क 40 दिनों की जो जंग हुई उसमें जो पहले हमले हुए थे या जहां से स्टार्ट हुई थी वो कहां से हुई थी और वो यूएई से हुई थी। इसीलिए उन्होंने इसके जरिए ये बताने की कोशिश की है कि अगर अब भी आपने अमेरिका और इसराइल का साथ देने से परहेज नहीं किया तो हम दुबई जैसे शहर को भी उड़ा देंगे। इसके साथ ही कहा जा रहा है कि अमेरिका जो एक प्रोजेक्ट फ्रीडम चला रहा है होर्मुज को खुलवाने के लिए। मानो होर्मुज अमेरिका के लिए इज्जत का सवाल बन गया हो। प्रेसिडेंट ट्रंप से पत्रकार मीडिया पूछ रहा है कि क्या आपकी रणनीति क्या आप कर रहे हैं? वो बिना सवाल का जवाब दिए हुए निकल गए। अमेरिका होर्मुज में फंस गया है। अपने तरफ से तो ब्लॉकेट लगा रखा है। लेकिन ईरान ने जिस तरह से वहां पर कंट्रोल हासिल कर रखा है उसको नहीं छुड़ा पा रहा। और ईरान का एकदम स्पष्ट संदेश है कि हम हॉर्मुज को तो नहीं छोड़ेंगे। जो भी तय होगा हमारी शर्तों पर तय होगा। तो ये अमेरिका के लिए भारी बेइज्जती की बात है। हालांकि बार-बार कहा जा रहा था यूएई की तरफ से उनके एयर डिफेंस सिस्टम जवाब दे रहे हैं। लोगों को कहा जा रहा था सुरक्षित स्थानों पर रहिए। और इसके अलावा अगर ट्रंप की तरफ से एक बयान आया था। इसी बयान के बाद ये सब कुछ शुरू हुआ था। ईरान की तरफ से जवाब आया कि जिस जिन सात जहाजों की बात की जा रही है असल में वो आम लोगों की थी यानी सेना से जुड़ी हुई नहीं थी उसमें उन्होंने उनको निशाना बना दिया। भारत की तरफ से इसको लेकर बार-बार ये कहा जा रहा है कि डायलॉग से बात कीजिए। डिप्लोमेसी से समाधान होगा।

चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को सीजन में दूसरी बार हराया, प्लेऑफ की रेस में अब भी जिंदा

एजेंसी नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 48वां मैच दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच आज यानी 5 मई को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में चेन्नई ने दिल्ली को 8 विकेट से हरा दिया। दिल्ली कैपिटल्स ने सीएसके को 156 रन का टारगेट दिया था, जो मेहमान टीम ने 17.3 ओवर में चेज कर लिया।
यह चेन्नई की इस सीजन पांचवीं जीत थी और उनके अब 10 पॉइंट हैं। चेन्नई प्लेऑफ की रेस में अब भी बरकरार है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की इस सीजन यह छठी हार थी। यहां से 16 अंक तक पहुंचने के लिए दिल्ली को अपने बचे हुए चारों मैच जीतने होंगे। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला करते हुए डीसी ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 155 रन बनाए। इस टीम को पथुम निसांका और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 4 ओवरों में 29 रन जुटाए। निसांका 15 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि केएल राहुल ने 13 गेंदों में 2 चौकों के साथ 12 रन टीम के खाते में जोड़े। सलामी जोड़ी के आउट होने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि टीम ने 69 के स्कोर तक 5 विकेट खो दिए थे।
यहां से ट्रिस्टन स्टब्स ने समीर रिजवी के साथ छठे विकेट के लिए 47 गेंदों में 65 रन की साझेदारी की। स्टब्स 31 गेंदों में 2 छक्कों और 1 चौके के साथ 38 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद समीर रिजवी ने मोर्चा संभाला। रिजवी ने 24 गेंदों में 4 छक्कों के साथ नाबाद 40 रन बनाए।चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से नूर अहमद ने 3 ओवरों में 22 रन देकर 2 विकेट निकाले, जबकि अकील हुसैन, मुकेश चौधरी, गुरजपनीत सिंह और जेमी ओवरटन ने 1-1 विकेट हासिल किया।

जिंदगी और मौत के खेल के बाद मैदान पर हुई लुंगी एनगिडी की वापसी

एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने घरेलू मैदान पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। अक्षर का मानना है कि जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ेगा, पिच धीमी होती जाएगी, जिससे दूसरी पारी में रन बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने भी इस बात से सहमति जताई कि सतह सूखी दिख रही है और मैच बढ़ने पर स्पिनरों और धीमे गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। दिल्ली के लिए सबसे बड़ी राहत लुंगी एनगिडी की वापसी है, जिन्होंने कनकशन प्रोटोकॉल पूरा करने के बाद प्लेइंग इलेवन में काइल जैमीसन की जगह ली है। लुंगी एनगिडी की वापसी से मजबूत हुआ दिल्ली का अटैक साउथ अफ्रीकी पेसर लुंगी एनगिडी पिछले दो मैचों से बाहर थे। 25 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ फील्डिंग के दौरान उन्हें सिर में गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उनकी इंजरी काफी गंभीर थी।

बीसीसीआई के नियमों के अनुसार 6 दिनों के अनिवार्य रिकवरी पीरियड को पूरा करने के बाद, बॉलिंग कोच मुनाफ पटेल ने उनके 100% फिट होने की पुष्टि की। एनगिडी की वापसी से मिचेल स्टार्क और टी. नटराजन के साथ दिल्ली का पेस अटैक काफी घातक नजर आ रहा है, जो चेन्नई के टॉप ऑर्डर के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है। दूसरी ओर, पिछले मैच में जीत दर्ज करने के बावजूद चेन्नई सुपर किंग्स को एक बड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर रामकृष्ण घोष चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं, जिससे टीम का संतुलन थोड़ा बिगड़ा है। उनकी जगह भरपाई के लिए गायकवाड़ ने बाएं हाथ के स्पिनर अकील होसेन और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजापनीत सिंह को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। चेन्नई इस समय अपनी गेंदबाजी को स्पिन के अनुकूल बनाने पर ध्यान दे रही है, ताकि पिच की ड्राई कंडीशन का पूरा फायदा उठाया जा सके।

टी20 क्रिकेट में टीम इंडिया की बादशाहत कायम, आईसीसी रैंकिंग में टॉप पर बरकरार

एजेंसी नई दिल्ली

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में इस साल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब बरकरार रखने वाली पहली टीम बनी भारत, वार्षिक आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर है। नवीनतम रैंकिंग में मई 2025 के बाद खेले गए सभी मैचों को 100 प्रतिशत और पिछले दो वर्षों के मैचों को 50 प्रतिशत अंक दिए गए हैं। 275 अंकों के साथ भारत की इंग्लैंड (262 अंक) पर बढ़त में केवल एक अंक की कमी आई है, जबकि आईसीसी के अनुसार ऑस्ट्रेलिया 258 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के करीब पहुंच गया है। यह अपडेट एशियाई टीम के लिए थोड़ा चौंकाने वाला है, जिसने पिछले दो वर्षों में इस प्रारूप पर अपना दबदबा बनाए रखा है। उन्होंने 2024 और 2026 में पुरुष टी20 विश्व कप जीता है, और इन दोनों आयोजनों के बीच खेली गई सभी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में वे अपराजित रहे हैं। पुरुष रैंकिंग में शीर्ष सात स्थान अपरिवर्तित हैं, जिनमें न्यूजीलैंड (247 अंक), दक्षिण

अफ्रीका (244 अंक), पाकिस्तान (240) और वेस्ट इंडीज (233) क्रमशः शामिल हैं। इसके अलावा, श्रीलंका के अंक छह गिर गए हैं, जिससे वह नौवें स्थान पर खिसक गया है, जबकि बांग्लादेश (225 अंक), जिसने अपडेट में एक अंक की बढ़त हासिल की है, आठवें स्थान पर पहुंच गया है। अफगानिस्तान 220 अंकों के साथ श्रीलंका से केवल एक अंक पीछे 10वें स्थान पर है, जबकि जिम्बाब्वे और आयरलैंड भी क्रमशः 11वें और 12वें स्थान पर बने हुए हैं। उत्तरी अमेरिका में क्रिकेट की उभरती हुई ताकत, अमेरिका ने छह अंक हासिल करके दो पायदान ऊपर छलांग लगाई है और 13वें स्थान पर पहुंच गया है। उसने नीदरलैंड और स्कॉटलैंड को पीछे छोड़ दिया है, जो क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। नामीबिया 16वें स्थान पर अपरिवर्तित रहा, जबकि नेपाल (17वें) और ओमान (19वें) ने एक-एक पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त अरब अमीरात (18वें) और कनाडा (20वें) को पीछे छोड़ दिया। टी20 विश्व कप में पहली बार खेल रही इटली ने 11 अंक हासिल किए और तीन पायदान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान से 23वें स्थान पर पहुंच गई। यूरोपीय टीम ने टी20 विश्व कप में अपने पहले ही मैच में शानदार जीत दर्ज करते हुए नेपाल को 10 विकेट से हराया। रैंकिंग में टीमों की संख्या 102 से घटकर 98 हो गई है क्योंकि फिजी, गाम्बिया, ग्रीस और इज़राइल पिछले तीन वर्षों में अपेक्षित आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल पाए, जिसके कारण रैंकिंग में जगह नहीं बना पाई।

आईपीएल में क्यों `Flop' हुए जसप्रीत बुमराह? रवि शास्त्री ने `मानसिक थकान' को ठहराया जिम्मेदार

एजेंसी नई दिल्ली

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आईपीएल 2026 में सभी 10 मैचों में खेलने के बावजूद सिर्फ तीन विकेट लिए हैं। गेंद से उनका खराब प्रदर्शन एमआई के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, क्योंकि तीन जीत और सात हार के साथ टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। बुमराह ने इस सीजन में 8.89 की इकॉनमी रेट से रन लुटाए हैं और उनकी गेंदबाजी का औसत 109.67 का खराब रहा है। जियोहॉटस्टार के 'चैंपियंस वाली कमेंट्री' कार्यक्रम में बोलते हुए, पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने इस आईपीएल सीजन में बुमराह के खराब प्रदर्शन पर चिंता व्यक्त की। पठान ने कहा कि पिछले सीजन में जसप्रीत बुमराह ने 12 मैचों में 6.7 की इकॉनमी से 18 विकेट लिए थे। लेकिन इस सीजन में उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। उन्होंने 10 मैचों में सिर्फ 3 विकेट लिए हैं और उनकी इकॉनमी भी काफी ऊंची है। जब विकेट नहीं मिलते, तो इकॉनमी रेट स्वाभाविक रूप से गिरती है। फिलहाल उनका गेंदबाजी औसत 105 है। बुमराह जैसे बेहतरीन गेंदबाज से इतनी खराब गेंदबाजी की उम्मीद किसी को नहीं थी। खासकर टी20 विश्व कप में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें इस तरह संघर्ष करते देखना बहुत दुखद है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर रवि शास्त्री ने भी बुमराह के खराब प्रदर्शन के संभावित कारणों पर अपने विचार रखे। शास्त्री ने कहा कि बुमराह पिछले 12 महीनों में भारतीय टीम के साथ भारी कार्यभार के बाद इस आईपीएल में उतरे हैं। उनकी परेशानियां सिर्फ शारीरिक नहीं हैं। मानसिक थकान भी एक बड़ा कारण है। मुंबई इंडियंस को उनका ध्यान रखना होगा। अगले दो वर्षों में व्यस्त कार्यक्रम है, कई टेस्ट सीरीज और 50 ओवर का विश्व कप आने वाला है। इसलिए, उनकी फिटनेस और कार्यभार को बहुत सावधानी से प्रबंधित करना होगा। एमआई ने सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को छह विकेट से हराकर सीजन की अपनी तीसरी जीत दर्ज की। टॉस जीतकर एमआई ने पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुना और निकोलस पूरन (21 गेंदों में 63 रन, एक चौका और आठ छक्के सहित), मिशेल मार्श (25 गेंदों में 44 रन, छह चौके और तीन छक्के सहित) और हिम्मत सिंह (31 गेंदों में 40* रन, दो चौके और दो छक्के सहित) की शानदार पारियों की मदद से एलएसजी ने 20 ओवरों में 228/5 का स्कोर बनाया।

व्यापार

8वां वेतन आयोग और 6 महीने का सफर पूरा, जानें क्या है वर्तमान स्थिति और आगे का रोडमैप

एजेंसी नई दिल्ली

केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वां वेतन आयोग एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है। 3 नवंबर, 2025 को औपचारिक रूप से गठित इस आयोग ने अपनी यात्रा के शुरुआती छह महीने पूरे कर लिए हैं। यह समय सीमा आयोग को अपनी सिफारिशें सौंपने के लिए दिए गए कुल समय का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है। वर्तमान में, आयोग 'डेटा संग्रह' और 'परामर्श' के सक्रिय मध्य चरण में प्रवेश कर चुका है। औपचारिक रूप से 3 नवंबर, 2025 को गठित इस आयोग ने लगभग छह महीने पूरे कर लिए हैं—जो कि अपनी अंतिम सिफारिशें सौंपने के लिए दिए गए कुल समय का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है। छह महीने पूरे होने और लगभग 12 महीने शेष रहने के साथ, आयोग वर्तमान में अपने शुरुआती से मध्य चरण में है। यह चरण मुख्य रूप से चर्चाओं, डेटा संग्रह और हितधारकों के साथ परामर्श पर केंद्रित है, ताकि कोई भी ठोस सिफारिशें तैयार होने से पहले आवश्यक आधार बनाया जा सके। अप्रैल के महीने में कुछ महत्वपूर्ण हलचल देखने को मिली, जिससे यह संकेत मिलता है कि यह प्रक्रिया अब गति पकड़ रही है। सबसे पहले कदमों में से एक था—लगभग 10 अप्रैल के आसपास—अनुबंध के आधार पर कर्मचारियों की भर्ती की शुरुआत। यह

एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि आगे होने वाले विस्तृत विश्लेषण और व्यापक परामर्शों को संभालने के लिए एक समर्पित टीम की आवश्यकता है। इसके तुरंत बाद, 14 अप्रैल को, नेशनल काउंसिल ऑफ जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी (NC-JCM)—जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करती है—ने 51 पृष्ठों का एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस दस्तावेज़ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इसमें कर्मचारियों की प्रमुख मांगों और अपेक्षाओं को विस्तार से रेखांकित किया गया है। महीने के अंत में, आयोग ने दिल्ली में NC-JCM के प्रतिनिधियों के साथ औपचारिक चर्चाओं का अपना पहला दौर आयोजित किया। ये बैठकें 28 अप्रैल को शुरू हुईं और 30 अप्रैल को समाप्त हुईं; इन बैठकों के साथ ही आयोग और कर्मचारी समूहों के बीच प्रत्यक्ष संवाद की शुरुआत हुई। इन तीन दिनों के दौरान, विभिन्न समूहों के प्रतिनिधियों ने कई मुद्दे उठाए, जिनमें वेतन संरचना, पेंशन सुधार और सेवा की समग्र शर्तों से संबंधित मांगें शामिल थीं। अगला महत्वपूर्ण पड़ाव ज्ञापनों को प्रस्तुत करना है, जिसकी समय सीमा अब बढ़ाकर 31 मई, 2026 कर दी गई है। इस समय विस्तार से हितधारकों को अपने सुझाव साझा करने और आयोग के साथ बैठकें करने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। दिल्ली में हुई चर्चाओं के बाद, आयोग अब अपने जनसंपर्क (आउटरीच) का विस्तार करने के लिए तैयार है। अपने परामर्श प्रक्रिया के एक हिस्से के रूप में, आयोग का हैदराबाद (18-19 मई), श्रीनगर (1 जून से 4 जून तक), और लद्दाख (8 जून, 2026) का दौरा करने का कार्यक्रम निर्धारित है। हितधारकों से यह भी कहा गया है कि वे अपने ज्ञापन और मुलाक़ात के अनुरोध तय समय-सीमा के भीतर आधिकारिक पोर्टल के ज़रिए जमा करें। इस चरण पर कुल मिलाकर संदेश सीधा-सा है, यानी यह प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, लेकिन धीरे-धीरे। आने वाले महीने काफ़ी अहम होने की संभावना है, जिनमें और ज़्यादा विचार-विमर्श, डेटा विश्लेषण और बातचीत होने की उम्मीद है वेतन आयोगों को आमतौर पर समय लगता है, क्योंकि इनमें लाखों केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन, पेंशन और भत्तों की विस्तृत समीक्षा शामिल होती है।

उधर चुनाव खत्म, इधर सरकार ने लिए ताबड़तोड़ फैसले, कई हजार करोड़ के मंजूर

एजेंसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ताबड़तोड़ फैसले लिए हैं। इसके तहत हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट मंजूर हुए हैं। भारत के कपास क्षेत्र में आने वाली बाधाओं, घटती ग्रोथ और क्वालिटी संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए ' कपास उत्पादकता मिशन ' (2026–27 से 2030–31) के लिए 5659.22 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इसी तरह सरकार ने MSME और एविएशन सेक्टर के लिए 18,100 करोड़ रुपये की इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ECLGS5) शुरू की है। गन्ना किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने चीनी सीजन 2026-27 (अक्टूबर - सितंबर) के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (FRP) 365 रुपये प्रति क्विंटल मंजूर किया है। इसके लिए अलावा और भी कई अहम निर्णय लिए हैं। सोमवार को कई राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के एक दिन बाद ये फैसले लिए गए हैं। कैबिनेट ने 2030-31 तक कपास में आत्मनिर्भरता और वैश्विक कपड़ा बाजारों में प्रतिस्पर्धा के लिए 5659.22 करोड़ रुपये के खर्च के साथ 'कपास उत्पादकता मिशन'

को मंजूरी दी है। यह मिशन भारत सरकार के '5F' विजन (फार्म से फाइबर, फाइबर से फैक्ट्री, फैक्ट्री से से फैशन तक और फैशन से फॉरेन तक) के अनुरूप है। यह मिशन रोग और कीटों के प्रति प्रतिरोधी 'अधिक उपज देने वाली किस्म' (HYV) के बीजों के विकास के जरिये कपास की उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित है। इसके साथ ही, यह राज्य सरकारों, कृषि विज्ञान केंद्रों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (SAUs) के जरिये मौजूदा और नवीनतम फसल उत्पादन तकनीकों के बड़े पैमाने पर प्रचार और अपनाने को बढ़ावा देता है। उद्योग को न्यूनतम संदूषण (कंटैमिनेंट) वाला कपास उपलब्ध कराना सुनिश्चित करता है। कैबिनेट ने 2026-27 सीजन के लिए गन्ना किसानों की खातिर 365 रुपये प्रति क्विंटल के 'उचित और लाभकारी मूल्य' (FRP) को मंजूरी दी है। इस फैसले से 5 करोड़ गन्ना किसानों के साथ चीनी मिलों और उनसे जुड़ी सहायक गतिविधियों में काम करने वाले 5 लाख मजदूरों को भी फायदा होगा। यह मूल्य 10.25% की मूल रिकवरी दर के लिए 365 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। इसके तहत, 10.25% से ऊपर रिकवरी में होने वाली हर 0.1% की बढ़ोतरी के लिए 3.56 रुपये प्रति क्विंटल का प्रीमियम दिया जाएगा। वहीं, रिकवरी में होने वाली हर 0.1% की कमी के लिए FRP में 3.56 रुपये प्रति क्विंटल की कटौती की जाएगी। गन्ना किसानों के हितों की रक्षा के उद्देश्य से सरकार ने यह भी फैसला किया है कि जिन चीनी मिलों में रिकवरी दर 9.5% से कम है, वहां किसी भी तरह की कटौती नहीं की जाएगी। ऐसे किसानों को आने वाले चीनी सीजन 2026-27 में गन्ने के लिए 338.3 रुपये प्रति क्विंटल का मूल्य मिलेगा। इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम 5.0 केंद्रीय कैबिनेट ने इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ECLGS) 5.0 को भी स्वीकृति दे दी है। इस योजना का उद्देश्य पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए योग्य बिजनेस बॉरोअर की मदद करना है। यह किसी भी अल्पकालिक नकदी की कमी से निपटने में मदद करेगी।

भारत ने अमेरिका को चौंकाया, इतना झोंका पैसा कि फटी रह गईं आंखें

एजेंसी नई दिल्ली

भारत ने अमेरिका को चौंका दिया है। भारतीय उद्योगों ने वहां इतना पैसा झोंका है कि अमेरिकियों की आंखें फटी की फटी रह गई हैं। 2026 सेलेक्ट यूएसए इन्वेस्टमेंट समिट में ऐसा हुआ। इस पर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गौर की जोरदार प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने इसे 'बड़ी खबर' करार दिया। साथ ही और डिटेल्स शेयर करने को भी कहा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सर्जियो गोर ने लिखा, 'बड़ी खबर आ रही है! 2026 सेलेक्ट यूएसए समिट (Select USA Summit) में भारत से अमेरिका में भारी-भरकम नए निवेश आ रहे हैं जो हमने अब तक का सबसे बड़ा निवेश देखा है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए एक सच्ची जीत ऐसी ही दिखती है। पूरी जानकारी जल्द ही!' इसके पहले अमेरिकी वाणिज्य विभाग में उप-अवर सचिव (नीति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रशासन) ब्रैंडन रेमिंगटन ने बताया कि भारत से अमेरिका में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) लगभग 16.4 अरब डॉलर था। इससे लगभग 70,800 नौकरियों को सहारा मिला। सोमवार मैरीलैंड के नेशनल हार्बर में सेलेक्ट यूएसए इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान आयोजित सीआईआई इंडिया रिसेप्शन को संबोधित करते हुए रेमिंगटन बोले कि भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में रिसर्च और डेवलपमेंट पर भी 33 करोड़ डॉलर खर्च किए। रेमिंगटन ने समीक्षाधीन अवधि का कोई जिक्र किए बिना कहा, 'हमें भारत से आपके निवेश का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत से अमेरिका में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का कुल स्टॉक लगभग 16.4 अरब डॉलर था। इससे लगभग 70,800 नौकरियों, रिसर्च और डेवलपमेंट पर 31.3 करोड़ डॉलर के खर्च और 1.5 अरब डॉलर मूल्य के निर्यात को सहारा मिला।' 2023 में जारी सीआईआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में भारतीय निवेश लगभग 40 अरब डॉलर रहा। इससे 4.25 लाख नौकरियों का सृजन हुआ।

सूर्य पर्वत पर त्रिभुज, नक्षत्र समेत इन 6 निशानों का होना है बेहद खास, देते हैं भविष्य में उन्नति के संकेत

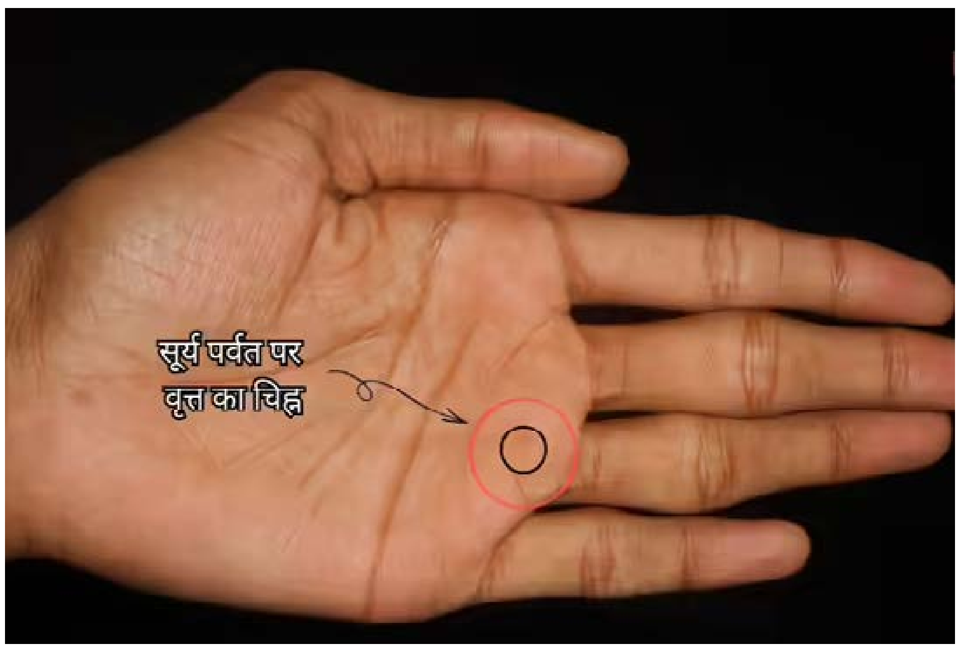

सूर्य को आत्मविश्वास, सम्मान, ऊर्जा, सरकारी क्षेत्र, उच्च पद, यश आदि का कारक माना गया है। ज्योतिषशास्त्र में कुंडली में सूर्य की स्थिति को देखकर इन क्षेत्रों के बारे में पता लगाया जाता है। ठीक इसी प्रकार हस्तरेखा विज्ञान में सूर्य के स्थान के उभार और स्थिति को देखकर जातक के जीवन और भविष्य के बारे में जाना जाता है। सूर्य पर्वत का अध्ययन करते समय उस पर मौजूद चिह्नों को देखना भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है क्योंकि, इनमें से कुछ खास निशानों को बहुत शुभ माना जाता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, सूर्य पर्वत पर स्टार, लाइन समेत कुछ निशानों को बेहद उत्तम माना जाता है। आइए विस्तार से जानते हैं कि ये चिह्न हमें भविष्य से जुड़े क्या संकेत देते हैं।

सूर्य पर्वत पर एक रेखा का निशान हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर सूर्य पर्वत पर एस सीधी, गहरी और स्पष्ट दिखने वाली रेखा नजर आती हो, तो इसे बहुत शुभ संकेत माना जाता है। मान्यता है कि ऐसे जातक को जीवन में खूब मान-सम्मान में मिलता है। इन्हें समाज में विशेष सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होती है। साथ ही, करियर के क्षेत्र में भी इनकी मेहनत रंग लाती है और धन के मामले में भी ये काफी भाग्यशाली हो सकते हैं। क्योंकि इस रेखा को धन का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे जातकों को रेखा दोष रहित, गहरी और सीधी दिखाई पड़ती है।

सूर्य पर्वत पर कई रेखाएं अनामिका यानी रिंग फिंगर के नीचे और हथेली के ऊपरी भाग में मौजूद सूर्य पर्वत पर यदि एक से अधिक रेखाएं, तो इसे भी करियर से जुड़ा शुभ संकेत माना जाता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, ऐसे जातकों को कलात्मक कार्यों में अधिक रुचि रहती है और ये इसी क्षेत्र में आगे बढ़ना पसंद करते हैं। वहीं, इन्हें करियर के क्षेत्र में अपनी मेहनत और प्रयासों से उच्च पद की प्राप्ति भी हो सकती है। कहते हैं कि ऐसे जातक बड़ी जिम्मेदारियों को निभाने में सक्षम होते हैं।

सूर्य पर्वत पर नक्षत्र का निशान हथेली में सूर्य पर्वत के स्थान पर नक्षत्र का चिह्न होना उत्तम संकेत माना जाता है। अगर किसी व्यक्ति की हथेली में ऐसा निशान हो, तो उसे अपने जीवन में खूब प्रसिद्धि मिल सकती है। साथ ही, नक्षत्र के निशान को उच्च पद, प्रसिद्धि और धन प्राप्ति का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे जातक करियर में जिस क्षेत्र में जाए वहां अच्छा पद प्राप्त हो सकता है। जिसके जरिए आर्थिक स्थिति मजबूत होने के योग बनने की भी अधिक संभावनाएं हो सकती हैं।

सूर्य पर्वत पर वर्ग का निशान अगर हथेली में सूर्य पर्वत के ऊपर वर्ग का निशान बना हो, तो यह भविष्य से जुड़े कई अच्छे संकेत दे सकता है। वर्ग के निशान का अर्थ माना जाता है कि ऐसे जातक को समाज में विशेष मान-सम्मान प्राप्त होता है। साथ ही, इनका जीवन भी अच्छा व्यतीत होता है। सम्मान प्राप्त करने के साथ-साथ इनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है। इन्हें सरकारी और सामाजिक क्षेत्रों में लाभ मिलने की अधिक संभावना रहती है। जिसके चलते जीवन सुखमय बना रहता है।

सूर्य पर्वत पर वृत्त का निशान हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, सूर्य पर्वत पर वृत्त का निशान होना बेहद खास प्रकार का संकेत देता है। वैसे तो इस चिह्न का बनना दुर्लभ माना जाता है। लेकिन अगर किसी जातक की हथेली में सूर्य पर्वत पर यह निशान बन जाए, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। वृत्त का चिह्न यह बताता है कि आप अपने जीवन में कई बार विदेश की यात्रा कर सकते हैं। साथ ही, करियर के क्षेत्र में भी आपको अपनी मेहनत से उन्नति और अच्छा पद प्राप्त हो सकता है।

सूर्य पर्वत पर त्रिकोण का निशान ः हथेली पर मौजूद सूर्य पर्वत पर कई चिह्नों को शुभ माना गया है। इन्हीं में से एक है त्रिकोण का निशान, जिसे हस्तरेखा विज्ञान में बेहद शुभ माना गया है। मान्यता है कि ऐसे जातकों की रुचि कला के क्षेत्र में अधिक रहती है। साथ ही, इन्हें इस क्षेत्र में उच्च सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। सूर्य पर्वत पर त्रिकोण के निशान को मान-सम्मान और उच्च पद का प्रतीक माना गया है।

तिराहे पर बना घर देता है अशुभ फल, एक्सपर्ट से जानें वास्तु दोष दूर करने के उपाय

तिराहे यानी टी पॉइंट पर बने घर को वास्तु शास्त्र में अच्छा नहीं माना जाता है। इसे 'डेड एंड' कहा जाता है, जो बाहर की नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है।

तिराहे पर बना घर अशुभ फल देता है और वहां रहने वाले लोगों को आर्थिक परेशानियों के साथ मानसिक और शारीरिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आपका घर भी तिराहे पर है तो वास्तु के कुछ आसान उपाय करके इसके प्रभाव को दूर कर सकते हैं। चलिए वास्तु एक्सपर्ट से जानते हैं तिराहे पर बने घर का वास्तु दोष दूर करने के उपाय।

मेन गेट पर शीशे का उपायोग वास्तु शास्त्र में तिराहे वाले घर के बाहर कॉन्वेक्स मिरर को लगाना सबसे महत्वपूर्ण उपाय माना जाता है। इसे उबार दर्पण भी कहा जाता है। इस शीशे की बाहरी सतह उभरी हुई होती है। घर के मुख्य द्वार पर इसे लगाने से सामने से आने वाली नकारात्मक ऊर्जा टकराकर वापस चली जाती है। इससे घर में भारीपन महसूस नहीं होता। घर के बाहर सुरक्षा दीवार सामने से आने वाली नकारात्मक ऊर्जा को रोकने के लिए घर के सामने मजबूत दीवार खड़ी कर दें। इसके अलावा एक लाइन से ऊंचे और घने पौधे भी लगा सकते हैं। ये आपके घर के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह काम करेंगे और नकारात्मक ऊर्जा को घर में जाने रोक लेंगे।

दरवाजे पर विंड चाइम तिराहे के मकान में नकारात्मक ऊर्जा सीधे घर के मुख्य द्वार पर आती है। ऐसे में 7 छड़ों वाली धातु की विंड चाइम लगाना सबसे कारगर उपाय है। घर के मुख्य द्वार पर लगे हुए विंड चाइम की आवाज से नकारात्मक ऊर्जा सकारात्मक ऊर्जा में बदल जाएगी।

मुख्य द्वार का स्थान वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार को महत्वपूर्ण माना जाता है। वहीं, अगर घर तिराहे पर बना है तो इसका सही जगह पर होना बेहद जरूरी है। घर का मेन गेट सामने वाली सड़क की सिधाई में न हो। कोशिश करें कि इसे थोड़ा अगल-बगल में ही बनवाएं।

स्वास्तिक का निशान हिंदू धर्म में स्वास्तिक के निशान को अत्यंत शुभ माना जाता है। घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक, ओम या बगवान गणेश की तस्वीर लगाना सुरक्षा कवच की तरह काम करेगा। यह उपाय घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक ऊर्जा को रोकने का काम करती है।

हिंदू धर्म में कान छिदवाने का क्या है महत्व, ज्योतिष एक्सपर्ट से जानें इसके फायदे और नियम

प्राचीन समय से ही बालकों के कान छिदवाए जाते हैं। अधिकतर स्त्रियों के कानों में अपने बालियां जरूर देखी होंगी। वहीं, अब पुरुष भी कान छिदवाने लगे हैं। कई लोग ऐसा ज्योतिषी की सलाह पर करते हैं तो कुछ लोग फैशन के लिए कान छिदवाते हैं। लेकिन बता दें कि हिंदू धर्म में कान छिदवाने का बहुत खास महत्व बताया गया है। इसलिए ऐसा करने से पहले कुछ नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए क्योंकि कान छिदवाने से कई प्रकार के लाभ भी प्राप्त होते हैं। ऐसे में आइए विस्तार से जानें कान छिदवाने का महत्व, लाभ और नियम। हिंदू धर्म में 16 संस्कारों का वर्णन किया गया है। इनमें से तीन जन्म से पहले, 12 संस्कार जन्म के बाद और 1 संस्कार मृत्यु के बाद होता है। जन्म के बाद के 12 संस्कारों में से एक 'कर्णवेध' है। इसे हिंदू धर्म का नौवां संस्कार माना जाता है। इसके पीछे वैज्ञानिक वजह और ज्योतिषीय कारण भी है। जब बालक के कान छिदवाए जाते हैं, तो कुछ ऐसी नाड़ियां होती हैं जिन पर इसका प्रभाव पड़ता है। मान्यता है कि ऐसे बालक के अच्छे विकास और बुद्धि के लिए किया जाता है। प्राचीन काल में स्त्री और पुरुष दोनों के ही कान छिदवाए जाते थे। ज्योतिष एक्सपर्ट के अनुसार, प्राचीन काल में बालक के 6 महीने से लेकर 5 साल के बीच में कान छिदवा दिए जाते थे। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, ऐसा करने से बच्चे का विकास अच्छा होता है और साथ ही, उसके बोलने की क्षमता और बुद्धि जल्दी विकसित होती है।

स्त्री और पुरुष दोनों ही कान छिदवा सकते हैं। मान्यता है कि कान छिदवाने से इसका प्रभाव ग्रहों पर भी पड़ता है जिनकी शुभता जातक के जीवन में बनी रहती है।

बुध ग्रह को कान का कारक माना जाता है और साथ ही, यह केतु से भी संबंधित होता है। ऐसे में स्त्री और पुरुष द्वारा कान छिदवाकर उनमें सोने की बालियां पहनने से केतु ग्रह पर इसका अनुकूल प्रभाव पड़ता है। आज के समय में कुछ पुरुष केवल एक कान छिदवाते हैं। लाल किताब में केवल एक कान बाएं को छिदवाने का उपाय देखने को मिलता है। लेकिन ज्योतिष एक्सपर्ट के अनुसार ग्रहों की अनुकूलता के लिए दोनों कान ही छिदवाने चाहिए। ऐसा करने से शुभ फल प्राप्त होते हैं।

मान्यता है कि कान को विशेष नक्षत्र में छिदवाना अधिक शुभ होता है। ऐसा शुक्ल पक्ष के दौरान करना उचित माना गया है।

साथ ही, बाल अवस्था में कान छिदवाना अत्यधिक शुभ फलदायी हो सकता है।

कान छिदवाते समय स्त्री और पुरुषों को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए दोनों कानों में एक ही स्थान पर छेद होना चाहिए। यानी एक कान में ऊपर और एक कान में नीचे, इस प्रकार कान में अलग-अलग स्थान पर छेद नहीं होना चाहिए।

ज्योतिषशास्त्र में दोनों कान छिदवाना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से कुछ ऐसी नाड़ियां होती है जिन पर इसका प्रभाव पड़ता है। मान्यता है कि 6 महीने से 5 साल के बीच की आयु में कान छिदवाने से बच्चे का विकास अच्छा होता है। साथ ही, यह बुध और केतु ग्रह की स्थिति को मजबूत करने में भी सहायक होता है।

ज्योतिष एक्सपर्ट बताती हैं कि जिन बच्चों को बोलने या समझने में किसी प्रकार की कोई समस्या होती हो उनका कर्ण छेदन जल्दी करवा देना चाहिए। ऐसा करने से उनके बोलने और समझने की शक्ति में जल्दी विकास हो सकता है।

आर्थिक राशिफलः वृषभ, कन्या और मकर को धन के मामले में फूंक फूंक कर रखना होगा कदम

मेष राशि आज का दिन आर्थिक रूप से मिला-जुला रहने वाला है। यात्रा या कुछ नया सीखने की एक्टिविटीज पर खर्च बढ़ सकता है। इस समय जोखिम भरे निवेश से आपको पूरी तरह बचना चाहिए। बृहस्पतिदेव कम्युनिकेशन और नेटवर्किंग के जरिये छोटे लाभ दिला सकते हैं। खुद के विकास या शिक्षा पर धन खर्च होने के योग हैं। अपने बजट का ध्यान रखें और बिना सोचे-समझे किसी को उधार न दें।

वृषभ राशि आज धन के मामले में काफी सावधानी बरतने की जरूरत है। कुछ अचानक आने वाले खर्च आपको परेशान कर सकते हैं। सट्टेबाजी या जोखिम भरे निवेश से आज दूरी बनाकर रखें। बचत और बजट बनाने पर ध्यान देना ही आपके लिए श्रेयस्कर होगा। भविष्य की सुरक्षा के लिए लंबे समय की योजना बनाएं। बिना विचार किये किसी को पैसा उधार देना नुकसानदेह हो सकता है। धैर्य रखें, लाभ धीरे-धीरे ही सही लेकिन जरूर मिलेगा।

मिथुन राशि आर्थिक दृष्टि से आज का दिन सामान्य रहने वाला है। नेटवर्किंग या साझेदारी के माध्यम से कुछ धन लाभ के संकेत हैं। हालांकि, खर्चों में भी बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए फिजूलखर्ची से बचें। अपनी वित्तीय योजनाओं को बहुत सावधानी से तैयार करें। बृहस्पतिदेव लंबी अवधि के विकास में आपकी मदद करेंगे। पैसों के लेन-देन में स्पष्ट बातचीत करना आपके लिए अनिवार्य है।

कर्क राशि आज वित्त के क्षेत्र में बहुत ही व्यवस्थित योजना बनाना जरूरी है। अचानक आने वाले खर्चों के कारण बजट बिगड़ सकता है। बृहस्पतिदेव की स्थिति सुझाव देती है कि आप बचत पर अधिक ध्यान दें। धन लाभ के अवसर तो आएंगे लेकिन उनकी गति काफी धीमी रहेगी। निवेश के मामले में कोई भी जल्दबाजी ना दिखाएं। आज वित्तीय अनुशासन ही आपकी स्थिरता बनाए रखेगा।

सिंह राशि आर्थिक रूप से आज का दिन एवरेज रहेगा। नेटवर्किंग या क्रिएटिव कार्यों के माध्यम से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। अष्टम भाव में मंगलदेव और शनिदेव होने के कारण किसी भी बढ़े जोखिम से बचें। वित्तीय योजना बहुत ही सोच समझकर बनाएं। बृहस्पतिदेव आपके कॉन्टेक्ट्स के जरिए स्थिर लाभ दिलाने में सहायक होंगे। जल्दी के मुनाफे के बजाय लंबे समय की योजना पर निवेश करना ज्यादा लाभदायक रहेगा।

कन्या राशि आज आपकी आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी, फिर भी सावधानी जरूरी है। किसी भी तरह के अचानक या बड़े वित्तीय फैसलों से आज बचें। अष्टम भाव का प्रभाव बताता है कि शेयर्ड फाइनेंस या कर्ज के मामलों में सावधान रहें। बृहस्पतिदेव करियर से जुड़े लाभ दिलाने के संकेत दे रहे हैं। घर की सुख-सुविधाओं पर कुछ खर्च हो सकता है। बजट का सख्ती से पालन करना जरूरी है।

तुला राशि आज धन के मामले में दिन सामान्य रहने वाला है। आपके निरंतर प्रयास छोटे-छोटे लाभ दिला सकते हैं। अचानक होने वाले खर्चों से बचने के लिए बजट पहले ही तैयार कर लें। बृहस्पतिदेव यात्रा या शिक्षा के माध्यम से भविष्य में लाभ के द्वार खोल रहे हैं। पैसों के लेन-देन में अनुशासन बनाना बहुत जरूरी है। फिजूलखर्ची से बचें ताकि आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर रहे।

वृश्चिक राशि आज आपका पूरा ध्यान वित्तीय प्रबंधन पर होगा। चंद्रदेव आपको बचत बढ़ाने और बजट बनाने के लिए प्रेरित करेंगे। अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाना बहुत जरूरी है। अष्टम भाव के बृहस्पतिदेव सहज धन या ऋण के मामले में सावधान की सलाह देते हैं। जोखिम भरे निवेशों से आज पूरी तरह दूर रहें। धैर्य और अनुशासन के साथ निवेश ही भविष्य में लाभ देगा।

धनु राशि आर्थिक रूप से आज का दिन शांत रहेगा। सुख-सुविधाओं और घर से संबंधित वस्तुओं पर कुछ धन खर्च हो सकता है। शुक्रदेव आपके दैनिक खर्चों में स्थिरता बनाए रखने में मदद करेंगे। आज बजट और भविष्य की योजना बनाने पर जोर दें। किसी भी तरह के जोखिम भरे निवेश से बचना आपके हित में होगा। साझेदारियों के माध्यम से आर्थिक लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं।

मकर राशि आज धन के मामलों में बहुत ही फूंक - फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। बारहवें भाव में चंद्रदेव की उपस्थति आपके खर्चों में बढ़ोतरी करा सकती है। फालतू खर्चों पर नियंत्रण रखें और बजट के अनुसार ही चलें। बृहस्पतिदेव आपके अनुशासित प्रयासों के माध्यम से स्थिरता प्रदान कर रहे हैं। जोखिम भरे निवेश से आज पूरी तरह दूर रहना ही समझदारी होगी। बचत करने की आदत आज आपको भविष्य की चिंता से बचाएगी।

कुंभ राशि आर्थिक रूप से आज का दिन एवरेज रहेगा। नेटवर्किंग या रचनात्मक प्रयास के जरिए लाभ होने की संभावना है। हालांकी, दूसरे भाव में मंगलदेव और शनिदेव होने के कारण आपको खर्चों और पैसों से जुड़ी बातचीत पर काबू रखना होगा। जोखिम भरे निवेश से आज बचना बेहतर होगा। अपने वित्त की योजना बहुत सावधानी से बनाएं। आज वित्तीय स्थिरता केवल आपके अनुशासित प्रयास और संयम से ही आएगी। करियरः करियर में प्रगति के लिए नेटवर्किंग और नए विचार बहुत काम आएंगे। ग्यारहवें भाव में चंद्रदेव की उपस्थिति टीम के साथ काम करने और सहयोग बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी। कार्यक्षेत्र में सामूहिक प्रयास से आपको सफलता मिल सकती है। तीसरे भाव के सूर्यदेव आपके संवाद और पहल करने की क्षमता को बढ़ाएंगे। फिर भी, बुद्धदेव की स्थिति के कारण बारिकियों को दोबारा जरूर जांचें। निरंतरता ही आज आपकी सफलता का मूल मंत्र है।

मीन राशि आज आर्थिक मामलों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। दूसरे भाव के सूर्यदेव आपकी आय तो बढ़ा रहे हैं, लेकिन बुद्धदेव के अस्त होने से वित्तीय निर्णय लेने में सावधानी बरतें। किसी भी तरह के जोखिम भरे निवेश से आज दूरी बनाना ही उचित होगा। पैसे से जुड़ी योजनाओं को बहुत बारिकी से तैयार करें। घर या लग्जरी पर कुछ खर्च होने की संभावना है। बृहस्पतिदेव लंबी अवधि की स्थिरता के लिए आपका मार्गदर्शन कर रहे हैं।

मंगल दोष के उपाय, शादी में आ रही बाधा होगी दूर, चट मंगनी पट ब्याह के बनेंगे योग

कुंडली में मंगल दोष के कारण जातक को जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मंगल अगर लग्न, चौथे, सातवें और बारहवें घर में हो तो उसे अशुभ माना जाता है। जातक की कुंडली में मंगल की यह स्थिति मंगल दोष बनती है। मंगल दोष वाले व्यक्ति को मांगलिक भी कहा जाता है। कुंडली में मंगल दोष विवाह में रुकावट की वजह बनता है। मंगल भारी होने से व्यक्ति की ऊर्जा बढ़ती है और उसे अत्यधिक गुस्सा आने लगता है। इसके अलावा हाई ब्लड प्रेशर की समस्या भी हो सकती है। कुंडली में मंगल दोष की वजह में विवाह में बाधा आती है। वहीं, अगर राहु और शनि की दृष्टि पड़ रही है तो इससे अत्यंत अशुभ अंगारक योग बनाता है। इसके कारण जीवन में अचानक दुर्घटना के योग बनते हैं। ऐसे में ज्योतिष से कुछ आसान उपाय करने से कुंडली में मंगल दोष से जुड़ी परेशानियों को कम किया जात सकता है।

कुंडली में मंगल दोष के उपाय कुंडली में मंगल को अनुकूल करने के लिए दाएं हाथ में लाल रंग की मौली या कलावा पहनना चाहिए। मंगलवार के दिन हनुमान मंदिर में इसे पहनना शुभ माना जाता है।

कुंडली में मंगल कमजोर हो तो व्यक्ति के अंदर आलस और नकारात्मक लाता है। मंगल को शुभ करने के लिए रोजाना व्यायाम करना बेहद प्रभावी माना जाता है।

कुंडली में मंगल को शुभ और शांत करने के लिए बहते जल में बताशे प्रवाहित करना चाहिए। ऐसे करने से मंगल के अशुभ प्रभाव कम होते हैं।

मंगल ग्रह की शांति के लिए मंगलवार के दिन हनुमान मंदिर में शहद अर्पित करना चाहिए। मंगलवार के दिन उपवास रखने से भी कुंडली में मंगल को संतुलित किया जा सकता है।

कमजोर मंगल को मजबूत करने के लिए लाल मूंगा धारण करना शुभ माना जाता है। अगर कुंडली में अंगारक योग बन रहा है तो मूंगा नहीं पहनना चाहिए। मंगल को अच्छा रखने के लिए बजरंग बाण का पाठ करना चाहिए। हनुमान चालीसा का रोजाना पाठ करने से मंगल दोष कम होता है।

आटा लोई में छिपे बम फटे, 3 गायों की मौत

बैतूल में 11 गोवंश के मुंह-जबड़े फटे, जांच के लिए नर्मदापुरम से बम स्क्वॉड की टीम पहुंची

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

मध्यप्रदेश के बैतूल जिले के शाहपुर में तालाब के पास गोवंश के मुंह धमाकों से फट गए। इससे 3 गायों की मौत हो गई। वहीं 11 गोवंश घायल हो गए। उनके मुंह और जबड़े बुरी तरह फट गए हैं। मामला शाहपुर के कोयलारी गांव (पंचायत कछार) में मंगलवार का है। यहां राकेश चौहान के खेत के पास बने एक छोटे तालाब पर गोवंश पानी पीने पहुंचे थे। इसी दौरान वहां रखे आटे के गोले जैसे दिखने वाले एक संदिग्ध पदार्थ को खाते ही जोरदार धमाके हुए। जांच के लिए नर्मदापुरम से बम स्क्वाड पहुंची है।

आटे की लोई में छिपाकर रखा था बम प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विस्फोट इतना भयानक था कि कई गोवंश के मुंह पूरी तरह फट गए और उनके जबड़े तक अलग हो गए। सूचना मिलने पर ग्रामीण, हिंदू संगठनों के पदाधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आटे की लोई के आकार में विस्फोटक सामग्री रखी गई थी, जिसे खाने से यह हादसा हुआ।

कथित बम फटने से गायों के जबड़े फट गए। गायें इतनी ज्यादा घायल हो गई हैं कि वे खा-पी भी नहीं सकेंगी। हिंदू सेना के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय ने बताया कि गायों के जबड़े पूरी तरह उड़ गए हैं। वे जीवित तो हैं, लेकिन अब कुछ भी खा-पी पाने की स्थिति में नहीं हैं। घटनास्थल पर पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी, पटवारी और पशु चिकित्सकों की टीम मौजूद है। घायल गोवंश का इलाज जारी है। भौंरा चौकी प्रभारी उप निरीक्षक नीरज खरे ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर यह देसी "सुअर मार बम" जैसा विस्फोटक प्रतीत हो रहा है। इसकी पुष्टि के लिए नर्मदापुरम से बम स्क्वॉड टीम बुलाई गई है, जो घटनास्थल पर जांच कर रही है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

बोरी घाट बना मौत का रास्ता बारात की बोलेरो खाई में गिरी,एक युवक की मौत

घाट के खतरनाक मोड़ तेज रफ्तार और पत्थरबाजी की घटनाओं से दहशत कब जागेगा प्रशासन

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

बोरी से आमला के बीच का घाट अब लोगों के लिए सफर नहीं,खतरे का नाम बनता जा रहा है। खासकर दोपहिया और कार चालकों के लिए यह रास्ता किसी मुसीबत से कम नहीं है।दिन हो या रात,हर वक्त हादसे का डर बना रहता है।

मंगलवार को इस खतरे ने एक और परिवार की खुशियां छीन लीं। पट्टन के मांगेना से सारनी जा रही एक बारात की बोलेरो जैसे ही बोरी घाट के पास पहुंची,तेज रफ्तार और घाट के खतरनाक मोड़ों के कारण अनियंत्रित होकर सीधे खाई में जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 से 8 लोग घायल बताए जा रहे हैं।घटना की सूचना मिलते ही आमला पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहीं मृतक के शव को खाई से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

लेकिन सवाल वही पुराना है आखिर कब तक इस घाट पर आए दिन हादसे हो रहे हैं। ऊपर से रात के समय अज्ञात लोगों द्वारा वाहन चालकों पर पत्थर फेंकने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं,जिनकी जांच अब तक पूरी नहीं हो पाई है।

स्थानीय लोगों का साफ कहना है कि अगर इस सड़क का सही तरीके से निर्माण किया जाता,मोड़ों को चौड़ा किया जाता और सुरक्षा इंतजाम मजबूत होते,तो शायद यह हादसा टल सकता था।बोरी घाट से सारनी तक बेहतर और सुरक्षित सड़क की मांग लंबे समय से उठ रही है,लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी अब लोगों की जान पर भारी पड़ रही है।अब देखना यह है कि इस हादसे के बाद प्रशासन जागता है या फिर कोई और परिवार इसी तरह अपनों को खोने के लिए मजबूर होगा।

आईपीएल का जाल और ब्याजखोरी का खेल कोयलांचल में सपनों की जगह मौत का सन्नाटा

पाथाखेड़ा-सारनी में आईपीएल सट्टा और सूद का शिकंजा, कई जिंदगियां हुई खत्म पुलिस की चुप्पी पर उठे बड़े सवाल

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा और सारनी में आईपीएल का रोमांच अब कई परिवारों के लिए दर्द की कहानी बनता जा रहा है। यहां क्रिकेट मैच पर लाखों रुपये का सट्टा और ब्याजखोरी का धंधा कोई नई बात नहीं है,लेकिन अब इसका असर खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है।लोग रातों-रात अमीर बनने के चक्कर में सब कुछ गंवा रहे हैं,और कुछ तो अपनी जान तक दे रहे हैं।हालात ऐसे हो गए हैं कि यह लाइन खुद-ब-खुद जुबां पर आ जाती है,देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान आईपीएल और ब्याज खोरी की वजह से बर्बाद हो रहा इंसान,स्थानीय लोगों की मानें तो इस पूरे गोरखधंधे में कई रसूखदार लोगों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। हैरानी की बात यह है कि पुलिस को सब कुछ पता होने के बाद कार्रवाई का अभाव कई सवाल खड़े करता है।आखिर कौन हैं वो लोग जो इस काले खेल को संरक्षण दे रहे हैं।कोल नगरी और आसपास के इलाकों में आईपीएल पर सट्टा और सूदखोरी के चलते कई लोग कर्ज के जाल में फंस चुके हैं। हाल ही में सारनी में एक विद्युत कर्मचारी द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया,जिसमें सुसाइड नोट मिलने की बात भी चर्चा में है।बताया जा रहा है कि उसमें सूदखोर का नाम भी लिखा है,लेकिन पुलिस ने अब तक इसका खुलासा नहीं किया है।इससे पूरे मामले में रहस्य और गहरा गया है।

सूत्रों की मानें तो आईपीएल सट्टे का नेटवर्क बेहद संगठित तरीके से चलाया जा रहा है। कुछ लोग बाहर बैठकर मोबाइल और टोकन सिस्टम के जरिए इस धंधे को संचालित करते हैं।प्लास्टिक के सिक्कों और सदस्यता के जरिए लाखों का लेनदेन होता है। जो जितना पैसा लगाता है,वही इस खेल में बड़ा खिलाड़ी बन जाता है।

घोड़ाडोगरी ब्लॉक की बात करें तो यहां भी आत्महत्याओं के पीछे सिर्फ आईपीएल सट्टा ही नहीं, बल्कि पारिवारिक विवाद, आर्थिक तंगी और बढ़ती ब्याजखोरी भी बड़ी वजह बनकर सामने आई है। हालांकि आधिकारिक आंकड़े सीमित हैं,लेकिन स्थानीय स्तर पर ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाती हैं।इस पूरे मामले को लेकर क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक मंच ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर आईपीएल सट्टे और सूदखोरी पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक चुप्पी साधे रहता है या फिर कोई ठोस कार्रवाई होती है।

तिलक वार्ड में संस्कार की पाठशाला, बच्चों को मिल रही नई दिशा

स्वयंसेवा की पहल से सेवा भारती संस्कार केंद्र में शिक्षा के साथ संस्कार समिति ने किया अवलोकन और बांटी सामग्री

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

नगर पालिका परिषद सारनी के वार्ड क्रमांक 10 तिलक वार्ड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्वयंसेवा योजना के तहत सेवा भारती संस्कार केंद्र संचालित किया जा रहा है।इस केंद्र का उद्देश्य ऐसे बच्चों को शिक्षा और अच्छे संस्कार देना है,जो इन सुविधाओं से अब तक वंचित रहे हैं।केंद्र का संचालन कनिका हालदार द्वारा किया जा रहा है,जहां 20 से अधिक बच्चों को नियमित रूप से राष्ट्रभक्ति गीत, कविता,भजन और खेल गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर मिल रहा है।यहां बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है,ताकि वे अच्छे नागरिक बन सकें।

संस्कार केंद्र के संचालन में समिति के वरिष्ठ समाजसेवी पी.जे.शर्मा,श्याम मदन, जगदीश आहूजा,पंजाब राव भास्कर, योगेंद्र ठाकुर और दिनेश प्रकाश मिश्रा सहित अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।वहीं विनोद झरबड़े और भोजराज परमार समय-समय पर केंद्र का निरीक्षण करते रहते हैं।

मंगलवार को समिति के सदस्यों ने केंद्र का दौरा किया,बच्चों से बातचीत की और उन्हें फल व शिक्षण सामग्री वितरित की।इस दौरान सरस्वती विद्या मंदिर सारणी के प्राचार्य चंद्रशेखर टैगोर भी उपस्थित रहे। इस तरह स्वयंसेवा की भावना से संचालित यह संस्कार केंद्र क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार देने में अहम भूमिका निभा रहा है।

दिहाड़ी मजदूरों को दिए पीएम आवास तोड़ने के नोटिस

बैतूल के ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार, कहा- 72 परिवार रह रहे, कार्रवाई सिर्फ हम पर

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल जिले की आमला तहसील के ग्राम हरन्या में 17 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास और निजी मकान तोड़ने के नोटिस मिले हैं। इन परिवारों ने नोटिस के खिलाफ कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर राहत की गुहार लगाई है। रहवासियों का आरोप है कि आमला तहसीलदार ने उनके मकानों को सरकारी भूमि पर निर्मित बताकर ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से आबादी भूमि पर निवास कर रहे हैं और इनमें से कई परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान स्वीकृत हुए हैं। कुछ मकान पूरी तरह बन चुके हैं, जबकि कुछ का निर्माण अभी चल रहा है। इसके बावजूद पिछले लगभग दो महीनों से तहसील कार्यालय द्वारा लगातार नोटिस जारी कर मकान तोड़ने की तारीखें दी जा रही हैं। मुआवजे से बनाया था घर, अब टूटने का डर इन 17 परिवारों में बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग शामिल हैं, जिनमें विधवा महिलाएं और दिहाड़ी मजदूर भी हैं। कमला इवने नामक महिला ने बताया कि सड़क हादसे में पति-बेटे की मौत के बाद शासन से मिले मुआवजे और पीएम आवास की मदद से उसने घर बनाया था। अब मकान तोड़ने के नोटिस से वह काफी चिंतित है। नियमितीकरण के आदेश के बाद भी पूरी नहीं हुई प्रक्रिया रहवासियों ने आरोप लगाया है कि जिस आबादी भूमि पर वे रहते हैं, वहां कुल 72 परिवार निवासरत हैं, लेकिन कार्रवाई केवल 17 परिवारों के खिलाफ की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 में इस भूमि के नियमितीकरण के लिए अपर कलेक्टर ने आदेश जारी किए थे, लेकिन तहसील स्तर पर प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। ग्रामीणों ने प्रभावशाली लोगों पर झूठी शिकायत करने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर और आदिवासी विकास थाने में ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949